RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार, 05 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 49 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बंगाल की जीत संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक: नितिन

नई दिल्ली। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने दोनों राज्यों की जनता का आभार व्यक्त किया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साक्षी बनेगी।

ममता भवानीपुर में 15 हजार वोटों से हारीं

'भगवामय' हुआ बंगाल

बंगाल में बीजेपी ने 206 सीटें जीती, सुवेंदु ने लगातार दूसरी बार ममता बनर्जी को हराया; आरजीकर रेप विक्टिम की मां जीतीं

नई दिल्ली/एजेंसी

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में बड़ा बहुमत प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही भाजपा के खाते में एक और राज्य जुड़ गया। असम और पुडुचेरी में भाजपा और एनडीए की सरकार दोबारा सत्ता में लौटी है। दक्षिण के दो बड़े राज्यों केरल और तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। केरल में वामदलों को हटा कांग्रेस नेतृत्व वाला गठबंधन 10 सालों बाद लौटा है। तमिलनाडु में एक साल पहले बनी एक्टर विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

- राहुल ने लिखा- चुनाव चोरी, संस्था चोरी अब और चारा ही क्या
- शाह बोले- भवानीपुर में अराजक शासक का यही अंत होता है
- बंगाल, असम, पुडुचेरी में कमल, तमिल में विजयरथ, केरल में कांग्रेस

चुनाव आयोग की वेबसाइट पर रात्रि 8 बजे तक के आंकडे इस प्रकार हैं

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल 293 सीटों पर बहुमत के लिए 147 सीटें चाहिए। भारतीय जनता पार्टी यहां 206, तृणमूल कांग्रेस 81, कांग्रेस 2, माकपा को एक और अन्य को एक सीट पर जीत या आगे चल रही है। भाजपा को 45.75 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस को 40.82 प्रतिशत मत मिले हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। यहां टीवीके 106, द्रमुक 60 सीटें, अन्नाद्रमुक 47 सीटों, पीएमके 5, कांग्रेस 5 सीटों पर आगे चल रही है।

भाजपा को एक सीट मिली है और अन्य पार्टियां 11 सीटें जीती या आगे चल रही है। टीवीके को 34.91 प्रतिशत, द्रमुक को 24.19 प्रतिशत, अन्नाद्रमुक को 21.32 प्रतिशत मत मिला है।

असम

असम में 126 सीटें हैं और बहुमत के लिए 64 सीटें चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल है।

बंगाल के लोगों के सपनों को पूरा करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी भाजपा: मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आगे कहा- विकसित भारत के निर्माण का एक और अहम स्तंभ भारत की नारी शक्ति है, नारी शक्ति हब विकसित भारत के निर्माण में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस नारी शक्ति को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने रोकने का प्रयत्न किया है। इन दलों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। इसलिए मैंने कहा था कि इन दलों को आगे महिलाओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा। आज कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके को बहनों-बेटियों ने सजा दी है। केरल में लेफ्ट के 10 साल के कुशासन का फायदा कांग्रेस को जरूर मिला है, लेकिन मुझे विश्वास है कि केरल की बहनें भी अगले चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएंगी।

जीत के बाद बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उल्लेखनीय सफलता के बाद कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार स्वाभाविक है, लेकिन जीत के बाद बदले की भावना नहीं बल्कि बदलाव और विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने इसे

भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताते हुए कहा कि इन चुनाव परिणामों ने दुनिया को दिखाया है कि भारत को लोकतंत्र की जननी क्यों कहा जाता है। प्रधानमंत्री ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों की साधना जब सिद्धि में बदलती है, तो जो संतोष और खुशी मिलती है, वही आज देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरों पर दिखाई दे रही है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ला

चेयरमैन

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला

निर्देशक

भाजपा की डबल इंजन की सरकार नाली सड़क तक ही नहीं बल्कि हमारी आस्था और संस्कृति को भी मजबूत कर रही-धर्मराज मौर्य

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर का वंदन योजना के तहत सौंदर्यीकरण के कार्य का जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य,नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी ने विधि विधान से किया भूमि पूजन।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने भूमि पूजन कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार सिर्फ नाली और सड़क तक ही सीमित नहीं है बल्कि आस्था,संस्कृत,और इतिहास तीनों को मजबूत कर रही है।भाजपा की डबल इंजन की सरकार विकास के साथ साथ विरासत को भी आगे बढ़ाएगी वंदन योजना से धार्मिक,सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण व विकास निरंतर प्रगति पर है ये मेरा नहीं जमीन पर दिख रहे काम का प्रमाण है,इस योजना से हमारे प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार हो रहा है जो मंदिर खंडहर हो गए थे,आज वहां भजन कीर्तन गूंज रहा है हमारी आने वाली पीढ़ी को पता चले कि उनकी जड़े कितनी मजबूत हैं इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी ने कहा कि वंदन योजना द्वारा धार्मिक,सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण,सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं से सुदृढ़ीकरण लगातार प्रगति पर है,01 करोड़ 48 लाख रुपए की लागत से होने वाले इस कार्य से मंदिर परिसर को एक भव्य आकर्षक और दिव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम चौधरी,प्रदेश महासचिव व्यापार मण्डल रमेश अग्रहरि,जिला उपाध्यक्ष संजय जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय तिवारी,अंशुल केसरवानी,निरंजन चौधरी,विपिन केसरवानी,पावन केसरवानी,रामयश लोधी,दुर्गेश गुप्ता सहित सम्मानित कार्यकर्तगण प्रबुद्धजन उपस्थित रहें।

कप्तान ने थाना खाग में सुनी फरियाद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना खागा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान आमजन की विभिन्न समस्याओं/शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया। एसपी द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी को निर्देशित किया गया कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता बनाए रखें।

पुलिस द्वारा दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त - पिल्ला पुत्र रघुराज उम्र करीब 48 वर्ष निवासी ग्राम देवलान थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

इसी प्रकार थाना कोतवाली पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त - राजकुमार पुत्र राजबहादुर उम्र करीब 25 वर्ष निवासी जयराम का पुरवा थाना कोतवाली जनपद को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया ।

मिट्टी का टीला ढहने से हुई जनहानि पर जिलाध्यक्ष व तहसीलदार ने सहायता राशि का दिया चेक डेमो

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । मंझनपुर के ग्राम पंचायत चक थाम्भा में मिट्टी का टीला ढहने से हुई जनहानि पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य व तहसीलदार मंझनपुर ने शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए दैवीय आपदा राहत कोष से चार चार लाख रुपए की चेक का डेमो देकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने शोकाकुल परिवार से वार्ता करते हुए कहा कि हम व हमारी सरकार आपके साथ हैं व हर संभव मदद का आश्वासन दिया साथ ही भगवान से प्रार्थना किया कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें ऐसी कामना की इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,जिला उपाध्यक्ष संजय जायसवाल,प्रदेश महासचिव व्यापार मण्डल रमेश अग्रहरि,पूर्व मण्डल अध्यक्ष महेश लोधी,सभासद अंशुल केसरवानी,आर्यवीर लोधी,रामयश लोधी,संतोष लोधी सहित सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी को 06 रिक्त उचित दर दुकानों को नियमानुसार शीघ्र नियुक्ति कराने के निर्देश देते हुए कहा कि दुकान रिक्त होने पर नियमानुसार समयबद्ध नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण करा लिया जाय।

उन्होंने ई.के.वाई.सी. एवं अवशेष यूनिटों पर आधार सीडिंग में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लोगों को राशन कार्ड से लाभान्वित किया जाय, किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाय।

उन्होंने निमार्णाधीन अन्नपूर्णा भवनों की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

गौशालाओं में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाएं रखने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में गोसंरक्षण के सम्बन्ध में जिलास्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सभी गौशालाओं में गोवंशों को गर्मी से बचाव के लिए किए गए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चारागाह की भूमि का प्रबन्धन व चारा उत्पादन की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड विकास अधिकारियों को शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी गौआश्रय स्थलों में पर्याप्त भूसा-चारा एवं सी.सी.टी.वी. की क्रियाशीलता सुनिश्चित बनाए रखी जाए।

जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी वर्षा ऋतु में किसी भी गौशाला में जल-जमाव होने की शिकायत न आने पाए, अभी से ही आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करा लिए जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों के प्रति किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

सीओ इंस्पेक्टर द्वारा शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु पहाड़ी में पैदल गश्त किया

हनुमान प्रसाद शुक्ल

चित्रकूट । क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल द्वारा प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी निशिकांत राय की उपस्थिति में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु कस्बा पहाड़ी में पैदल गश्त कर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग की गयी । पुलिस टीमों द्वारा दुकानदारों, व्यापारीबंधुओ एवं क्षेत्रीय नागरिको से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने का भरोसा दिया गया तथा पुलिस टीम द्वारा सड़क पर हो रहे अतिक्रमण,शराब की दुकान, रेलवे स्टेशनों,होटल/ढाबा एवं दो/चार पहिया वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गयी।

डीएम ने की " रोजगार मिशन" जिला कार्यकारी समिति एवं "रोजगार सृजन सम्बन्धी कार्यक्रमों तथा ग्राम्य विकास के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में "उ.प्र. रोजगार मिशन" की जिला कार्यकारी समिति व "रोजगार सृजन सम्बन्धी कार्यक्रमों एवं ग्राम्य विकास के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जिला सेवायोजन अधिकारी से कहा कि शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लक्ष्य प्राप्त होते ही कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से रोजगार मेला एवं अप्रेन्टिसशिप में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि जनपद में कार्यरत कार्यदायी संस्थाओं से समन्वय कर लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत लाई जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लक्ष्य प्राप्त होते ही कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दैवीय आपदा से पीड़ित,ऐसे परिवार जिनके पास आवास की सुविधा नहीं है, ऐसे सभी परिवारों को आवास की सुविधा से लाभान्वित किया जाए-डीएम

कौशांबी। जिलाधिकारी ने ग्राम्य विकास के कार्यों की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड विकास अधिकारियों को अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास/मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत अधूरे आवासों का निर्माण कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक मनोज वर्मा से कहा कि तहसील से सूची प्राप्त कर दैवीय आपदा से पीड़ित, ऐसे परिवार जिनके पास आवास की सुविधा नहीं है, ऐसे सभी परिवारों को आवास की सुविधा से लाभान्वित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्यांग एवं निराश्रित महिलाएं, जिनके पास आवास की सुविधा नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया जाए।

असम,पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी की जीत जनता का मोदी जी के कुशल नेतृत्व पर अटूट विश्वास का प्रमाण-धर्मराज

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में असम,पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में एनडीए की प्रचण्ड बहुमत की जीत पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य कार्यकताओं के साथ जीत का मनाया जश्न व झालमुड़ी बांटकर दी बधाई।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि असम व पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता का मोदी जी के कुशल नेतृत्व पर अटूट विश्वास का प्रमाण है तथा एनडीए की जनसेवा,गरीब कल्याण,विकसित भारत एवं जनकल्याण की प्रभावशाली नीतियों की अटूट जीत है।

यह जनादेश विकास,सुशासन,समृद्धि और स्थिरता के उस मार्ग का समर्थन है,जिस पर नया असम और पश्चिम बंगाल आत्मविश्वास से आगे बढ़ेगा इस ऐतिहासिक जीत के लिए असम एवं पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता-जनार्दन,कर्मठशील पार्टी पदाधिकारियों एवं ऊजार्वान कार्यकताओं का हार्दिक आभार एवं अभिनन्दन है ऐसी तमाम शुभकामनाएं दीं इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष संजय जायसवाल,भोलेशंकर कुशवाहा,चक्रेश मिश्रा,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,कविता पासी,जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी,जगदीश सरोज,प्रदेश महासचिव व्यापार मण्डल रमेश अग्रहरि,जिला मंत्री दिनेश पाण्डेय,भास्कर सिंह,फूलमती सरोज,मीडिया प्रभारी ज्ञानेन्द्र साहू सहित सम्मानित मण्डल अध्यक्षगण कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

चुनावी हलचल : प्रधानी चुनाव की टलती तारीखें, नए प्रत्याशियों की जेब और जोश पर पड़ रही भारी

धीरज सोनी
लालगोपालगंज

प्रयागराज पंचायत चुनाव की आहट के बीच तारीखों का स्पष्ट न होना अब चुनावी मैदान में पहली बार उतरे नए चेहरों के लिए मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। मई 2026 में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है लेकिन अंतिम मतदाता सूची और आरक्षण प्रक्रिया में हो रही देरी ने नए प्रत्याशियों के समीकरण बिगाड़ दिए हैं पुराने प्रधानों के पास जहाँ पाँच साल का संसाधन और नेटवर्क है वहीं नए प्रत्याशी अपनी पहचान बनाने के लिए पिछले कई महीनों से पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। गाँव में रोज होने वाली बैठकों, चाय-पानी और दावतों का खर्च अब लाखों में पहुँच रहा है कई प्रत्याशियों ने जोश में आकर पोस्टर और बैनर छपवा लिए थे जो अब तारीखें न आने के कारण धूप और धुल में खराब हो रहे हैं।

नए प्रत्याशियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने समर्थकों और युवाओं की टीम को एकजुट रखना है। तारीखें आगे बढ़ने से समर्थकों में उदासीनता आने लगती है विरोधी पक्ष इसी का फायदा उठाकर समर्थकों को तोड़ने की कोशिश करते हैं। नए प्रत्याशियों ने जिस ग्राम सभा में अपनी जमीन तैयार की है वहां आरक्षण की स्थिति अभी साफ नहीं है। डर यह है कि अगर साल भर की मेहनत और लाखों के खर्च के बाद सीट उनके वर्ग के लिए आरक्षित नहीं हुई तो वे कहीं के नहीं रहेंगे।

सर्दियों की गर्माहट, अब वोटों की आहट, कंबल बांटने वाले दावेदारों की बढ़ी धड़कनें

बीती कड़ाके की ठंड में जब गाँव के गरीब और असहाय लोग ठिठुर रहे थे, तब प्रधानी के कई दावेदार मसीहा बनकर उभरे थे। उस वक्त गाँव-गाँव में कंबल, अलाव और गर्म कपड़ों का जो वितरण हुआ था, उसका असली मकसद अब चुनावी तारीखों के करीब आते ही साफ दिखने लगा है। लेकिन चुनाव में हो रही देरी ने इन दानवीरों की चिंता बढ़ा दी है दावेदारों ने इस उम्मीद में लाखों के कंबल बांटे थे कि मार्च-अप्रैल तक चुनाव निपट जाएंगे और जनता के मन में उनकी परोपकारी छवि ताजा रहेगी लेकिन अब मई का महीना आ चुका है और सूरज आग उगल रहा है। दावेदारों को डर है कि कहीं कड़ी धूप और पसीने के बीच जनता वह सर्दियों वाला कंबल न भूल जाए अब गर्मी के मौसम में मतदाताओं को रिझाने के लिए ठंडे के इंतजाम शरबत, पंखे या अन्य सुविधाएं पर अलग से खर्च करना पड़ रहा है गाँव की चौपालों पर अब इस पर खूब तंज कसे जा रहे हैं।

बच्चे की हत्या के मामले में महिला समेत युवक गिरफ्तार

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। मासूम बच्चे की हत्या के मामले में धूमनगंज थाने की पुलिस ने महिला समेत एक युवक को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि हत्या से सम्बन्धित अभियुक्त अवैदुल हक निवासी बेगम बाजार बमरौली थाना पूरामुफ्ती प्रयागराज, व अभियुक्ता सीमा निवासी बुद्धपुरी सरायअकिल थाना सरायअकिल जनपद कौशाम्बी को नीमसराय मोहल्ला थाना क्षेत्र धूमनगंज से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल बेल्ट, बैट व चिमटा बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने 2 मई को थाना धूमनगंज अन्तर्गत एक बालक की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था पुलिस अभियुक्तों की तलाश कर रही थी। छानबीन के दौरान इन दोनों का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने सोमवार को इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

जानलेवा हमले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। सरायइनायत थाने की पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया युवक विपिन पाल निवासी बभनकुइयां थाना प्रयागराज है। इसके विरुद्ध जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज था। यह उसी मुकदमे में वांछित था। पुलिस ने लिखा पढ़ी के बाद इसे जेल भेज दिया।

गिरफ्तार किया गया अभियुक्त विपिन पाल निवासी ग्राम बभनकुइया थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज है।इसे थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा रिंग रोड अण्डर पास के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि 15 अगस्त 2025 को चार पहिया वाहन से अपने चाचा विजय बहादुर को पैरालेसिस बीमारी के इलाज हेतु साथ ले जा रहे दिवाकर गौतम व शशिकर गौतम निवासीगण आलेमऊ थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को बाल अपचारियों द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर थाना सरायइनायत क्षेत्रांतर्गत सहसों स्थित कमल वाटिका गेस्ट हाउस के सामने से जा रहे रैली में कार को रोककर लाठी डंडों से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। तहरीर के आधार पर थाना सरायइनायत में मुकदमा दर्ज कर 3 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर बाल सुधार गृह तथा 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

गिरफ्तार करने वाली टीम

थानाध्यक्ष संजय गुप्ता, चौकी प्रभारी सहसो राजेश चौबे आदि पुलिसकर्मी शामिल रहें।

डीएम ने की जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक

आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से सुनिश्चित कराने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक की।

जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालयों की रेट्रोफिटिंग के लिए किए जा रहें सर्वे की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष रेट्रोफिटिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने आर.आर.सी. संचालन की समीक्षा के दौरान आर.आर.सी. संचालन की स्थिति ठीक न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए जिला पंचायतराज अधिकारी एवं सभी सहायक विकास अधिकारी (पं0) से कहा कि सभी आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाय, ताकि आर.आर.सी. सेन्टर संचालन के उद्देश्यों की पूर्ति की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी बैठक तक अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक शौचालय के संचालन एवं

केयरटेकरों के भुगतान की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि केयरटेकरों को समय से भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि ग्राम पुरखास में निर्मित प्लास्टिक यूनिट में 25.02 कुन्तल एवं ग्राम टेंवा में निर्मित प्लास्टिक यूनिट में 28.80 कुन्तल प्लास्टिक एकत्र किया जा चुका है, जिसमें प्लास्टिक का धुलाई व छटाई का कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग एवं लोक निर्माण विभाग से समन्वय कर बिक्रय की कार्यवाही प्रचलित है। वर्तमान में अन्य वेण्डरों से प्लास्टिक का बिक्रय करते हुए ओ.आर.एस. जनरेट किया जा रहा है। उन्होने बताया कि गोबरधन योजना के अन्तर्गत ग्राम बिदांव में स्थापित बायो गैस प्लान्ट से उत्पादित गैस से गौ-आश्रय स्थल, पुलिस चौकी एवं पंचायत भवन में विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि जनपद में और 10 सामुदायिक शौचालयो के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिस पर जिलाधिकारी ने उपयुक्त स्थान का चयन कर अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन ने डीएम कार्यालय का घेराव कर सीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा

प्रभारी जिलाधिकारी एवं डीपीआरओ के साथ संघठन की हुई सार्थक वार्ता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन द्वारा त्रिस्त्रीय पंचायत चुनाव समय से कराए जाने तथा समय पर चुनाव ना होने की स्तिथि में ग्राम प्रधानों को ही प्रसाशक के तौर पर जिम्मेदारी सौपे जाने आदि मांगो को लेकर संघठन द्वारा चलाए जा रहे। व्यापक आंदोलन के क्रम में सोमवार को जनपद के विभिन्न ब्लाकों से सैकड़ों की संख्या में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसेवक यादव वा वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी के नेतृत्त में जिलापंचायत कार्यालय के समक्ष एकत्रित हुए। ग्राम प्रधानों ने बैनर वा स्लोगन तथा नारे लिखे हुए तकथिया हाथो में लेकर बड़ी संख्या में जुलुश निकाल कर नारे बाजी करते हुए। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। संघठन द्वारा जिलाधिकारी से वार्ता करने की मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन करते हुए। डीएम कार्यालय के पास बैठ गए। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के अनुपस्ताथी में प्रभारी जिलाधियारी / मुख्य विकास अधिकारी तथा जिलापंचायत अधिकारी के द्वारा संघठन के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया। तथा प्रयागराज जनपद के विभिन्न ब्लाकों वा गांवो से संबंधित समस्याओं पर घंटो वार्ता चली जिसमे प्रधानों द्वारा कराए गए विकास कार्यों का तत्काल भुक्तान कराए जाने एवं गांवो में सरकारी भूमि चकमार्ग, नवीन परती, खलिहान , तालाब, उशर, बंजर, आदि जमीनों का शिवांकन करने में हिला हवाली करने वाले लेखपालों वा राजस्व निरक्षको के खिलाफ कार्यवाई करने की मांग सहित मनरेगा कार्यों का भुक्तान एवं जल जीवन मिशन द्वारा अधूरे पड़े कार्यों को शीघ्र कराए जाने तथा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की विधि को सरल बनाए जाने तथा जिस गांव में सफाई कर्मचारी की कमी एवं लापरवाही पर कार्यवाई करने की मांग रखी गई आदि मांगो को लेकर उच्च अधिकारियों से सार्थक वार्ता हुई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया की स्थानी अस्तर पर जोभी समश्याएं है। उसका नीरा करण करने के लिए एक दो दिन में पत्र जारी कर दिया जाएगा। उपरोक्त अधिकारियों ने कहा की शासन अस्तर की जो भी समश्याएं है उसे पत्र के माध्यम से शासन को भेजने के साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन संघठन द्वारा दिया गया ज्ञापन भी उचित माध्यम से भेज दिया जाएगा। मौके पर प्रदेश सचिव जगदीश कुमार गुप्ता , प्रधान संघ अध्यक्ष फूलपुर योगेंद्र कुमार भारतीय तथा प्रधान संघ अध्यक्ष प्रतापपुर, धनीपुर, हंडिया , बहरिया , मौआइमा , कौड़ीहारा, मेजा , शंकरगढ़ , जसरा, उरुवा, चाका सहित गंगापार वा यमुनापार के बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन ने चेतावनी दी है की यदि 15 मई तक हमारी मांगी पर आदेश जारी नही हुआ। तो 18 मई को व्यापक तौर पर ग्राम प्रधानों द्वारा लखनऊ में विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में आया राम राज्य, ममता सरकार का टूटा घमंड : पंकज प्रधान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की उल्लेखनीय सफलता के बाद प्रयागराज स्थित विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिला मुख्यालय पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव पंकज प्रधान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और जोरदार आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। इस दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और पार्टी के समर्थन में नारेबाजी भी की।

इस अवसर पर पंकज प्रधान ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिली सफलता ने कार्यकताओं के मनोबल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के परिणामों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अब वहां ह्राम राज्यह्व की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उनके अनुसार, केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अब राज्य की आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा और विकास को नई गति मिलेगी।

पंकज प्रधान ने आगे कहा कि यह जनादेश देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, नेतृत्व क्षमता और विकास कार्यों में जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है, जिसका असर चुनाव परिणामों में साफ तौर पर दिखाई दिया।

विपक्ष द्वारा चुनाव परिणाम आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए पंकज प्रधान ने कहा कि इस तरह के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब विपक्ष को हार का सामना करना पड़ता है, तब वह ईवीएम पर सवाल खड़े करने लगता है, जबकि सच्चाई यह है कि जनता अब पूरी तरह जागरूक हो चुकी है। मतदाता अब केवल उन्हीं को चुनता है जो उनके हित में कार्य करते हैं और विकास को प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान में जो सकारात्मक ऊर्जा कार्यकताओं के बीच दिखाई दे रही है, वह आने वाले चुनावों में भी पार्टी को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला स्तर के कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस जीत को लोकतंत्र की मजबूती और जनता की जागरूकता का प्रतीक बताया।

2800 शिक्षामित्रों को 18 हजार का डेमोचेक मिलेगा आज

प्रभारी मंत्री सहित सभी जन प्रतिनिधि, डीएम, सीडीओ कार्यक्रम में होगे शामिल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिले के परिषदीय विद्यालयों में तैनात 28,00 शिक्षामित्रों के लिए मंगलवार ऐतिहासिक दिन और खुशियां लेकर आने वाला है क्योंकि उनके बढे हुए मानदेय 18,000 रुपए के डेमोचेक से भुगतान होने जा रहा है, यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभागार पुलिस लाइंस के सामने मंगलवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सहित सभी विधायक, एमएलसी, डीएम मनीष कुमार वर्मा, सीडीओ हर्षिका सिंह, डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप, एडी बेसिक संजय कुमार सहित सभी खण्ड शिक्षाधिकारी शामिल होगे। इस दौरान 300 शिक्षामित्रों को अतिथिगण डेमोचेक प्रदान करेगे जबकि जिले के सभी 2800 शिक्षामित्रों के मानदेय का भुगतान उनके बैंक खाते में शाम तक हो जाएगा।

बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि शिक्षामित्रों को पहले 10,000 रुपए का प्रतिमाह भुगतान होता था लेकिन प्रदेश सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय को अब 18,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया है। उन्होंने बताया कि शिक्षामित्रों के बढे हुए मानदेय 18,000 रुपए से भुगतान अप्रैल 2026 से शुरू हो गया है, उसी का डेमो चेक से भुगतान शिक्षामित्रों को मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में होगा। कार्यक्रम में मिड डे मील समन्वयक राजीव कुमार त्रिपाठी, डीसी विकास पाण्डेय और मनीष कुमार कनौजिया सहित अन्य लोग रहेगे।

नन्हे कदमों से लेकर बोर्ड टॉपर्स तक, आर.डी. इंटर कॉलेज में गूंजा सम्मान और सफलता का उत्सव

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। आर.डी. कॉन्वेंट इंटर कॉलेज नवाबगंज अटरामपुर प्रयागराज में वर्ष 2026 के परीक्षा परिणामों के उपलक्ष्य में एल.के.जी. से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी सफल छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर खुशी, उत्साह और गर्व से सराबोर नजर आया।हाईस्कूल में श्रोति यादव ने 94.50% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं इंटरमीडिएट में काजल प्रजापति ने 86.60% अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।एल.के.जी. से कक्षा 11 तक के विभिन्न वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में रितिका देवी (LKG), अनुराग प्रजापति (UKG), रीता (कक्षा 1), मो0 अरहम (कक्षा 2), अंशिका प्रजापति (कक्षा 3), अरविया खातून (कक्षा 4), रिद्धिमा पटेल (कक्षा 5), स्वाती यादव (कक्षा 6), मधु मौर्या (कक्षा 7), नेहा पटेल (कक्षा 8), सपना सरोज (कक्षा 9) एवं नीलू पटेल (कक्षा 11) शामिल रहे।इस गरिमामयी अवसर पर प्रबंधिका पारुल जायसवाल, जायसवाल ग्रुप ऑफ एजुकेशन के प्रबंधक लक्ष्मीनारायण जायसवाल, प्रधानाचार्य चंद्रभान सिंह मौर्य, प्रशासनिक अधिकारी कौशल सिंह, उपप्रधानाचार्य आनंद पांडेय की विशेष उपस्थिति रही।साथ ही वरिष्ठ अध्यापक-अध्यापिकाओं अमित जायसवाल, स्वयं प्रकाश, मानसिंह, पंकज पटेल, समीरा, सुनीता, रचना, रोशनी तथा एनसीसी प्रभारी सोनू केसरवानी, सपना साहू एवं सचिन आदि ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर प्रबंधक लक्ष्मीनारायण जायसवाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि "सफलता केवल अंक नहीं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और निरंतर प्रयास का परिणाम होती है। आप सभी विद्यार्थी इसी लगन से आगे बढ़ते रहें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें।"कार्यक्रम के दौरान सभी कक्षाओं एल.के.जी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को माला पहनाकर एवं लड्डू खिलाकर सम्मानित किया गया।प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप वाटर बॉटल के साथ उनका परिणाम पत्र भी प्रदान किया गया। वहीं हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के टॉप 10 विद्यार्थियों को वाटर बॉटल, आकर्षक उपहार, स्कूल बैग एवं परिणाम पत्र देकर सम्मानित किया गया।विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि को एक प्रेरणादायक उत्सव के रूप में मनाया, जिसने विद्यार्थियों में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा भर दी।यह सफलता मेहनत, समर्पण और श्रेष्ठ मार्गदर्शन का जीवंत उदाहरण है।

पश्चिम बंगाल असम और पुदुच्चेरी में भाजपा सरकार बनने पर खुशी जताई

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने पश्चिम बंगाल सहित असम और पुदुच्चेरी में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनने पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गंगापार उमेश तिवारी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने हथिगहां में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई भाजपा नेता उमेश तिवारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की आजादी के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में कमल खिला है जिससे पता चलता है कि नरेंद्र मोदी का जादू बरकरार है पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी को नकार दिया और और भाजपा पर भरोसा जताया 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा सरकार बनने जा रही है इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेता उमेश तिवारी, गुड्डू राजा, मटरू पांडेय, तिलकधारी मौर्या,रामबाबू, विनोद तिवारी, राकेश मौर्या अजीत, गोलू पांडेय, गोलू मौर्या,धनीराम,प्रदीप, शैलेन्द्र राम शरण, सनोज पटेल, राहुल पटेल,विद्या शुक्ला,अतुल,विश्वनाथ, आदि मौजूद रहे।

ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमे भाजपाई मनाया जीत का जश्न

कार्यकताओं ने "झालमुड़ी" व मिष्ठान का किया वितरण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में लगी भाजपा को पश्चिम बंगाल असम व पुडुचेरी में मिली प्रचंड विजय ने उत्साह से लबरेज कर दिया है। जॉर्जटाउन में बड़ी संख्या में एकत्र हुए पार्टी कार्यकताओं पदाधिकारियों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते हुए एक - दूसरे को "झालमुड़ी" व मिष्ठान खिलाकर जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर भाजपा पार्षद आशीष द्विवेदी भारद्वाज मंडल अध्यक्ष अजय आनंद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ये विजय अधर्म पर धर्म की विजय है तुष्टिकरण पर राष्ट्रवाद की विजय है। उन्होंने कहा कि बंगाल की पावन धरा पर पहली बार भाजपा की प्रचंड जीत ने सिद्ध कर दिया है कि जनता अब तानाशाही और तुष्टिकरण को बर्दाश्त नहीं करेगी। ममता बनर्जी के कुशासन में जिस तरह बंगाल की महान संस्कृति का अपमान हुआ और विशेष वर्ग को खुश करने के लिए मां-माटी-मानुष के साथ विश्वासघात किया गया, आज बंगाल की जनता ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। यह जीत उन सभी बलिदानियों को समर्पित है जिन्होंने बंगाल को बचाने के लिए अपना खून बहाया। अब सोनार बांग्ला का सपना सच होगा। चुनावी नतीजों से यह साबित है कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम का विरोध करने वालों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके का काफी बुरा हश्र हुआ है। इन दलों से भी बुरी राजनीतिक गति सपा की 2027 में होगी। इस दौरान भाजपा पार्षद आशीष द्विवेदी, अतुल मल्होत्रा महामंत्री, यशस्वी शुक्ला विधायक प्रतिनिधि,बृजेश वर्मा,सुदेश त्रिपाठी, दिव्यांशु शुक्ला, अजय आनंद मंडल अध्यक्ष भारद्वाज,अरुण पटेल, रोली मल्होत्रा,रामगोपाल शुक्ला, बृजेश चंद श्रीवास्तव, बलभद्र मिश्र,

विकास कुशवाहा, राम प्रसाद पटेल, अनिल मिश्रा आदि बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल, इण्टर के नवीन 130 विद्यालयों को दी मान्यता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूपी बोर्ड प्रयागराज ने 130 नवीन हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट कालेजों को मान्यता दी है। इसमें पांच कालेजों को सशर्त मान्यता दी गयी है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में 54, मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय में 27, वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय में 21, बरेली क्षेत्रीय कार्यालय में नौ और गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय में 14 नवीन हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट की मान्यता दी गयी है। सचिव ने बताया कि प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के 12 और गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के एक विद्यालय के मानक में कमी आने पर उसको पूरा करने के लिए मोहलत दी गयी है, मानको को पूरा करने के बाद मान्यता दे दी जाएगी।

हाईकोर्ट की नसीहत : टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी, दस्तावेजों की कमी बताना अनिवार्य

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, प्रयागराज द्वारा एक निविदा को रद्द करने के आदेश को अनुचित माना है । न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की पीठ ने कहा कि केवल यह कह देना कि दस्तावेज वैध नहीं हैं, पर्याप्त नहीं है अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वास्तव में क्या कमी थी ।

अदालत ने अंश इंटरप्राइजेज की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि अधिकारी याचिकाकर्ता को कमियों की जानकारी दें और उनकी बात सुनने के बाद ही नया निर्णय लें तब तक अगले नए टेंडर को अंतिम रूप देने पर रोक लगा दी गई है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत कार्यकताओं के बलिदान का परिणाम : सुरेंद्र मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार सफलता का जश्न आज प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुर मंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंसूराबाद चौराहे पर भाजपा जिला प्रतिनिधि सुरेंद्र मिश्रा की अगुवाई में कार्यकताओं ने एकत्रित होकर मिठाई बांटी और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया।

इस अवसर पर भाजपा नेता सुरेंद्र मिश्रा ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विगत 15 वर्षों से बंगाल की जनता टीएमसी के कुशासन और क्रियाकलापों से अजीज आ चुकी थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनना वहां की जनता के बदलाव की आकांक्षा का परिणाम है। मिश्रा ने बंगाल के भाजपा कार्यकताओं के साहस की भरपूर प्रशंसा करते हुए कहा यह जीत उन कार्यकताओं की शहादत का परिणाम है जिन्होंने पिछले 15 वर्षों में टीएमसी के अत्याचार सहते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आज उनकी शहादत सफल हुई है और भाजपा अपने मिशन में कामयाब हुई है उन्होंने असम पांडिचेरी और तमिलनाडु की जनता व कार्यकताओं को भी जीत की बधाई दी।

श्रृंग्वेरपुर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी ने वहां की जनता को बधाई देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल ने एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है। उन्होंने कार्यकताओं के साथ मिलकर जीत का जश्न मनाया

इस दौरान मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी, तीरथ केसरवानी मंडल उपाध्यक्ष, दिलीप पुष्पकर मंडल मंत्री विक्रमादित्य पांडे, राकेश पासी, रामू, राकेश मोदनवाल, सत्यम केसरवानी, रामाश्रय पटवा, मुन्ना सोनी, मुन्ना सरोज, आनंद मोदनवाल, सियालाल सरोज पूर्व प्रधान फूलचंद मौर्य, शुभम केशरवानी, कपिल मोदनवाल, विजय मोदनवाल, नीरज विश्वकर्मा और रवी केसरवानी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हंडिया पुलिस के हत्थे चढ़ा वांछित लुटेरा

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत के निर्देश पर हंडिया कोतवाली पुलिस चोरी लूट के अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक लूट के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक हंडिया अनूप सरोज ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर डेढ़ साल से फरार चल रहा लूट का वांछित अभियुक्त शिवम पासी उर्फ गुण्डे पासी पुत्र राजबली पासी निवासी ग्राम सरायमंसूर हाकिमपट्टी थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत सैदाबाद नहर पुलिया स्थित पावर हाउस के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि 21.09.2024 को वादी मुकदमा थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत जबरदस्ती मोटरसाइकिल रोकवाकर उनसे मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन व 1500/- रुपए छीन लिया।

पुण्योदय फाउंडेशन द्वारा होलागढ़ में सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विकास खंड होलागढ़ के मंशा का पूरा में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्तीर्ण प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया गया तथा उनकी आगामी शिक्षा हेतु 1 वर्ष की एडमिशन फीस एवं अन्य शैक्षिक शुल्क पुण्योदय फाउंडेशन के सचिव सुनील कुमार शुक्ल के माध्यम से प्रसाद त्रिपाठी की ओर से प्रदान किया गया। श्रुति पांडेय एवं सौम्या पांडेय की 1 साल की शिक्षा शुल्क गया प्रसाद त्रिपाठी के सहयोग से प्रदान की गई। निखिल तिवारी की 1 साल की शिक्षा शुल्क धीरू कुमार त्रिपाठी के सहयोग से प्रदान की गई। दीक्षा पांडेय को 500 रुपए की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। साथ ही, छात्र यश यादव को 500 का नगद पुरस्कार राशि, सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह संस्था के सचिव सुनील कुमार शुक्ल एवं गया प्रसाद त्रिपाठी के कर कमलों से प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य विश्वनाथ पांडे, रत्नाकर मिश्र, घनश्याम शुक्ल, राम फेर मिश्र, राजेंद्र तिवारी, सुरेश पांडे, सुनील कुमार पांडे, शिव नारायण पांडे, मोहित मिश्र, चंद्र शेखर मिश्र (आजाद), विनीत पांडे, विक्की मिश्र सहित अनेक सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

बैकस्टेज की नाट्य प्रस्तुति 'मेरे बच्चे' देखने उमड़े दर्शक, दूसरा शो भी हाउसफुल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आर्थर मिलर के कालजयी नाटक ह्यऑल माय संसह्ण पर आधारित हिंदी प्रस्तुति ह्यमेरे बच्चेह्ण मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक चेतना के गहन द्वंद्व को अत्यंत प्रभावपूर्ण ढंग से मंच पर साकार किया। पिता-पुत्र के संबंधों की जटिल परतों के माध्यम से कथा नैतिकता, अपराधबोध और प्रायश्चित जैसे गंभीर प्रश्नों को संवेदनशीलता और तीव्रता के साथ सामने लाकर दर्शकों को झकझोर दिया। बैकस्टेज संस्था द्वारा प्रस्तुत नाटक 'मेरे बच्चे' में रंग प्रयोग में सुचिंतित डिजाइन और सशक्त अभिनय दिखा। प्रवीण शेखर के सशक्त निर्देशन में इस नाटक का प्रदर्शन स्मरणीय रहा। सोमवार को नाट्य मंचन का दूसरा शो हुआ। कलाकारों के सशक्त अभिनय के साथ स्पेस का खूबसूरत और रचनात्मक प्रयोग दिखा। नाटक का हिंदी रूपांतरण प्रतिभा अग्रवाल ने किया है।

द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि में रचित इस नाटक में जिओ केलर (जमुना प्रसाद) द्वारा सेना को दोषपूर्ण सिलिंडर उपलब्ध कराने के कारण 21 पायलटों की मृत्यु हो जाती है, किंतु वह अपने अपराध का दोष अपने साझीदार पर डालकर बच निकलता है। जब यह सच्चाई उसके पुत्र (प्रदीप) के सामने आती है, तो वह गहरे आघात और नैतिक द्वंद्व से गुजरते हुए अपने पिता को न्याय के कटघरे में लाने का निर्णय करता है। अंततः अपराधबोध से ग्रस्त पिता आत्महत्या कर अपने कृत्य का प्रायश्चित करता है। ह्यमेरे बच्चेह्ण इस कथा को भारतीय परिवेश में रूपांतरित करते हुए इलाहाबाद के आसपास के एक छोटे शहर में स्थापित करता है, जहाँ पात्र उत्तर भारतीय समाज की जटिलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। यह नाटक आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है, जब व्यक्तिगत लाभ के लिए समाज और राष्ट्रहित की अनदेखी के उदाहरण बार-बार सामने आते हैं और यह हमें नैतिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित करता है। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अनुदान से निर्मित प्रस्तुति में सतीश तिवारी, अमर सिंह और चाहत जायसवाल ने अपने सशक्त और जीवंत अभिनय से मंच को पूरी तरह साधा। उनके प्रदर्शन में पात्रों की गहराई और भावनात्मक तीव्रता स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई, जो दर्शकों को रखने में सफल रही। इनके साथ दिलीप श्रीवास्तव, उपासना तिवारी, कुमार सानू और वर्षा सिंह ने भी अपनी सधी हुई उपस्थिति और अभिनय कौशल से प्रस्तुति को और समृद्ध किया, जिससे समूचा नाट्य अनुभव और अधिक प्रभावशाली बन गया।

नाटक के कथ्य और चरित्रों की संवेदना को स्वर देने वाला मधुर एवं अर्थपूर्ण संगीत अमर सिंह द्वारा रचित था, जिसने कई दृश्यों को भावनात्मक ऊँचाई प्रदान की। वहीं, टोनी सिंह की सूक्ष्म और सटीक प्रकाश योजना ने न केवल कथानक को उभारने का कार्य किया, बल्कि समय और परिवेश की अनुभूति को भी अत्यंत कलात्मक ढंग से मंच पर साकार किया।

संपादकीय

राजनीतिक शोर थमते ही महंगाई की दस्तक शुरू

पांच राज्यों के चुनाव का राजनीतिक शोर थमते ही महंगाई ने फिर से देश में दस्तक दे दी। हालांकि ऐसा नहीं है कि यह महंगाई देश में ही है बल्कि पूरे विश्व में हैं। भारत में 1 मई 2026 को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 993 की भारी बढ़ोतरी ने देशभर के व्यापार और आम जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। जहां श्रमिक दिवस था वहीं रेट बढ? से कीमतों पर इजाफा से चीजें तो प्रभावित होती हैं। दिल्ली में ही 19 किलो का सिलेंडर अब 3071.50 तक पहुंच गया है—जो न केवल एक रिकॉर्ड वृद्धि है, बल्कि महंगाई के नए दौर का संकेत भी देता है।

पांच राज्यों के चुनावी रैलियों, आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी के शोर के बीच अक्सर एक मुद्दा दब जाता है—महंगाई। लेकिन जैसे ही यह शोर थमता है, आम आदमी की जिंदगी में महंगाई की असल गूंज सुनाई देने लगती है। हाल के दिनों में यही परिदृश्य फिर सामने आया है। राजनीतिक गतिविधियों की तीव्रता कम होते ही रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में बढ़ोतरी ने जनता को झकझोर दिया है। महंगाई केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन की वास्तविकता है। जब रसोई गैस के दाम बढ़ते हैं या दाल-आटा महंगा होता है, तो उसका सीधा असर घर के बजट पर पड़ता है। विशेषकर निम्न और मध्यम वर्ग के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है, जहां आय सीमित होती है और खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। चिंता की बात यह है कि महंगाई पर राजनीतिक चर्चा अक्सर चुनावों तक सीमित रह जाती है। चुनाव के दौरान हर दल जनता को राहत देने के वादे करता है, लेकिन सत्ता में आने के बाद वही मुद्दा प्राथमिकता सूची से नीचे खिसक जाता है। नीतिगत स्तर पर महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है, न कि केवल तात्कालिक राहत पैकेजों की।

सरकार के सामने चुनौती दोहरी है—एक ओर वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का दबाव है, जैसे कच्चे तेल की कीमतें और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं; दूसरी ओर घरेलू स्तर पर उत्पादन और वितरण की समस्याएं। ऐसे में केवल सब्सिडी या कीमतों को नियंत्रित करने के अस्थायी उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। कृषि सुधार, भंडारण व्यवस्था में सुधार, और बाजार की पारदर्शिता जैसे कदम आवश्यक हैं।

इसके साथ ही, यह भी जरूरी है कि महंगाई के आंकड़ों को लेकर पारदर्शिता बनी रहे और जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाए। आंकड़ों की बाजीगरी से असल समस्या छिपाई नहीं जा सकती। आम आदमी को राहत देने के लिए नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन ही एकमात्र रास्ता है।

यह समझना होगा कि महंगाई केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि समय रहते इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो यह असंतोष का कारण बन सकता है। राजनीतिक शोर भले ही थम जाए, लेकिन महंगाई की आवाज को अनसुना करना अब संभव नहीं है।

सबसे बड़ी मार रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रही है। खाद्य पदार्थों से लेकर ईंधन और गैस तक, हर चीज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में भारी उछाल ने यह संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में होटल-रेस्तरां से लेकर आम उपभोक्ता तक, सभी को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसका सीधा असर खाने-पीने की चीजों पर पड़ेगा और मध्यम वर्ग की जेब और हल्की होगी।चुनाव के दौरान महंगाई जैसे मुद्दे अक्सर राजनीतिक बहसों में पीछे छूट जाते हैं। सत्ता पक्ष जहां उपलब्धियों को गिनाने में व्यस्त रहता है, वहीं विपक्ष भी कई बार ठोस आर्थिक विकल्प प्रस्तुत करने में असफल रहता है।

पीएचडी: उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में पीएचडी को लेकर समाज में अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे केवल डिग्री मानते हैं, कुछ इसे नौकरी पाने का साधन समझते हैं, जबकि कुछ इसे प्रतिष्ठा का प्रतीक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया पर भी समय-समय पर ऐसे लेख और टिप्पणियाँ सामने आती रहती हैं जिनमें पीएचडी की उपयोगिता, कठिनाई और वास्तविक अर्थ पर बहस होती है। वास्तव में पीएचडी केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की सतत बौद्धिक यात्रा है। यह थीसिस लिखकर समाप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि शोध-चिंतन, विश्लेषण और समाजोपयोगी योगदान की निरंतर साधना है। पीएचडी का मूल उद्देश्य किसी विषय के स्थापित ज्ञान को दोहराना नहीं, बल्कि उसमें नया जोड़ना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विद्यार्थी प्रायः उपलब्ध ज्ञान को पढ़ते, समझते और परीक्षाओं के माध्यम से सिद्ध करते हैं। परंतु पीएचडी उस बिंदु से आगे की अवस्था है जहाँ शोधार्थी स्वयं प्रश्न गढ़ता है, समस्या की पहचान करता है, पद्धति चुनता है, प्रमाण जुटाता है और निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस अर्थ में पीएचडी सीखने से अधिक नया रचने की प्रक्रिया है। बहुत से लोग समझते हैं कि पीएचडी का मतलब केवल मोटी थीसिस जमा कर देना है। यह सोच अधूरी है। थीसिस तो उस दीर्घ यात्रा का लिखित दस्तावेज है जो कई वर्षों के अध्ययन, क्षेत्रकार्य, प्रयोग, डेटा विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और संशोधन के बाद तैयार होता है। एक अच्छी थीसिस में केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता, शोध की ईमानदारी और निष्कर्षों की उपयोगिता महत्व रखती है। यदि शोधार्थी ने समस्या को गहराई से समझा, उचित पद्धति अपनाई और निष्पक्ष निष्कर्ष दिए, तभी उसका शोध सार्थक माना जाता है।

एग्जिट पोल पर प. बंगाल में घमासान

(विचार-मंथन)

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में एसआईआर से लेकर मतदान होने तक चुनाव आयोग, भारतीय जनता पार्टी तथा टीएमसी के बीच में लगातार टकराव देखने को मिला है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव आयोग चुनाव करा रहा है, उसकी चर्चा संपूर्ण भारतवर्ष में हो रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर जिस तरह से हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल तक मतदाता और टीएमसी अपनी लड़ाई लड़ रही है। ऐसी स्थिति इसके पहले कभी नहीं देखी गई। तार्किक विसगित के नाम पर पश्चिम बंगाल में पहली बार चुनाव आयोग ने एक करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर कर दिया था। उसके बाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद अभी भी 62 लाख मतदाताओं को मतदान का अधिकार नहीं मिला। इसको लेकर पश्चिम बंगाल में पिछले कई महीनो से मतदाताओं और राजनीतिक दलों के बीच में तनाव है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल को लेकर जो नए-नए नियम बना रहा है। उसको लेकर भी बार-बार टीएमसी को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर लड़ाई लड़नी पड़ी है। चुनाव आयोग के मामले में न्यायपालिका का रुख हस्तक्षेप करने का नहीं होने से, टीएमसी को न्यायपालिका से जो राहत मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। उल्टे मतदाताओं के दस्तावेजों का परीक्षण करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश से

ट्रिब्यूनल बनाकर, न्यायपालिका ने न्यायिक अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी। उसके बाद भी मतदाता मतदान करने से वंचित रहे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, जो पश्चिम बंगाल में हुआ है। रही-सही कसर अब एग्जिट पोल के माध्यम से पूरी होती हुई दिख रही है। राष्ट्रीय चैनल और कुछ ऐसी सर्वे एजेंसी है, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार एग्जिट पोल में पश्चिम बंगाल में बना दी है। भाजपा को 190 सीटों पर जीत मिलने का दावा एग्जिट पोल में किया गया, जो जमीनी हकीकत के विपरीत है। पश्चिम बंगाल के दो बांग्ला चैनलों ने भी एग्जिट पोल किया। उसमें 161 सीटें टीएमसी को और भाजपा को 71 सीटें तथा 49 सीटों पर कांटे की टक्कर बताई गई।

आनंद बाजार पत्रिका समूह के बांग्ला न्यूज चैनल ने टीएमसी को 177 से लेकर 187 सीटें मिलने का अनुमान जताया। वहीं भारतीय जनता पार्टी को 100 सीटे मिलने की संभावना जताई है। एग्जिट पोल में भारी अंतर होने तथा जमीनी हकीकत के विपरीत एग्जिट पोल आने से पश्चिम बंगाल में घमासान शुरू हो गया है। चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर टीएमसी बार-बार सवाल खड़े करती रही है। ऐसी स्थिति में मतगणना के पहले टीएमसी ने फार्म 17 का रिकॉर्ड अपने सभी बूथ एजेंट से मंगा लिया है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के सभी बूथ में उपयोग में लाई गई ईवीएम मशीन, उनके सीरियल नंबर तथा शुरू और अंतिम मत संख्या का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर लिया है। मतगणना स्थल पर टीएमसी के सभी मतगणना एजेंटों को सूची उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि मतगणना के समय किसी किस्म की गड़बड़ी ना हो। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह की तैयारी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने की है। भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत का आरोप टीएमसी हर स्तर पर लगाती आ रही है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान टीएमसी के एजेंट किसी भी किस्म की गड़बड़ी रोकने के लिये सजग होंगे।

एग्जिट पोल ने एक तरह से मतगणना के पहले आग में घी डालने का काम किया है। भाजपा और चुनाव आयोग को लेकर टीएमसी आक्रामक है। वहीं ममता बनर्जी और टीएमसी के ऊपर चुनाव आयोग और भाजपा आक्रामक है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान और मतगणना के पश्चात किस तरह के हालात प. बंगाल में बनेंगे, इसको लेकर अभी से तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जाने लगी है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी का गांव-गांव तक केडर है।

इस बार टीएमसी ने भाजपा चुनाव आयोग से लड़ने की पूरी तैयारी की है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान चुनाव आयोग को सजग होने की जरूरत है। गड़बड़ी होने की स्थिति में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था को संभालना बहुत मुश्किल होगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए चुनाव आयोग को मतगणना और परिणाम घोषित करने में पारिदर्शिता एवं निष्पक्षता से हो, इसका प्रयास करना होगा। ताकि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति सही बनी रहे। चुनाव आयोग ने अभी तक बूथ-विधानसभा में हुए मतदान के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किये हैं। जिसके कारण चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर राजनैतिक दलों का चुनाव आयोग पर विश्वास खत्म होता जा रहा है। चुनाव आयोग पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सभी दलों के साथ सहयोग करेगा। तभी चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बढ़ेगी। चुनाव आयोग पूर्व की भांति मतदाता सूची से लेकर मतदान और मतगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करना आवश्यक है। चुनाव आयोग को गंभीरता से इस पर विचार करने की जरूरत है।

स्कूल की चौखट पर खड़ा बाजार, भीतर सिमटती शिक्षा

प्रो. आरके जैन

निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुपालन का सवाल अब महज पाठ्य सामग्री का विवाद नहीं रहा, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था के चरित्र की परीक्षा बन चुका है। जब एक ओर कानून स्पष्ट दिशा देता हो और दूसरी ओर संस्थान स्वार्थवश उससे भटकें, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि नैतिक विचलन का संकेत होता है। अप्रैल 2026 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा केंद्र, सीबीएसई और सभी राज्यों को जारी नोटिस ने इस विडंबना को उजागर किया है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा का अधिकार कानून केवल औपचारिक घोषणा बनकर रह गया है, या उसे लागू करने की प्रतिबद्धता ही क्षीण हो गई है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि शिक्षा में समानता का मूल सिद्धांत निरंतर दबाव और उपेक्षा के बीच संघर्ष कर रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 29 ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) में पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण एनसीईआरटी या संबंधित एससीईआरटी द्वारा किया जाएगा। इसी सोच के तहत एनसीईआरटी और एससीईआरटी को पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निर्धारण का अधिकार सौंपा गया। इन संस्थाओं द्वारा तैयार पुस्तकें न केवल शैक्षणिक रूप से संतुलित और विश्वसनीय होती हैं, बल्कि आम परिवारों के लिए किफायती भी

रहती हैं। इसके विपरीत, निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें इस मूल उद्देश्य को कमजोर करती हैं। जब एक ही कक्षा की पुस्तकों पर हजारों रुपये खर्च होने लगें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा अब अधिकार से ज्यादा एक लाभकारी व्यापार में बदलती जा रही है। निजी विद्यालयों में महंगी पुस्तकों को अनिवार्य बनाना कोई आकस्मिक भूल नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित आर्थिक तंत्र की ओर संकेत करता है। कई स्थानों पर स्कूल और प्रकाशक मिलकर ऐसा गठजोड़ रचते हैं, जिसमें शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और मुनाफा केंद्र में आ जाता है। अभिभावकों को उच्च गुणवत्ता और अधिक उपयोगी सामग्री का हवाला देकर इन पुस्तकों को खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जबकि इन दावों की ठोस पुष्टि प्रायः नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों की विवशता का व्यवस्थित दोहन होता है और वे विरोध करने में असहाय महसूस करते हैं। ऐसी प्रवृत्ति शिक्षा के नैतिक आधार को कमजोर करती है और संस्थागत विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।सबसे चिंताजनक परिणाम एक तेजी से गहराते शिक्षा-विभाजन के रूप में सामने आता है। जहां सरकारी विद्यालयों के बच्चे सस्ती, मानकीकृत और समान पुस्तकों से पढ़ते हैं, वहीं निजी स्कूलों के छात्र महंगी और अलग सामग्री पर निर्भर होते हैं, जिससे उनके ज्ञान का आधार ही भिन्न बन जाता है। यही अंतर आगे चलकर अवसरों की खाई को और चौड़ा कर देता है। मध्यम और निम्न वर्गीय परिवार पहले से ही शिक्षा पर बढ़ते खर्चों का दबाव झेल रहे हैं, ऐसे में किताबों का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उनके लिए बेहद असहनीय हो जाता है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को नहीं बढ़ाती, बल्कि समाज में गहराते असंतुलन और विभाजन को भी और मजबूत करती है। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पहल एक महत्वपूर्ण और समयोचित हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है, जिसने शिक्षा के अधिकार को मानवाधिकार के व्यापक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता को और स्पष्ट किया है। अनावश्यक तथा भारी-भरकम पुस्तकों का बढ़ता बोझ बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो राष्ट्रीय स्कूल बैग पॉलिसी 2020 की मूल भावना के विपरीत है। यदि राज्य सरकारें और संबंधित संस्थाएं अब भी इस मुद्दे पर उदासीन बनी रहती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक अक्षमता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्वों की स्पष्ट उपेक्षा मानी जाएगी। इसलिए इस विषय को अब सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ठोस और प्रभावी कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। अकादमिक स्वायत्तता का तर्क अक्सर इस व्यवस्था को सही ठहराने के लिए दिया जाता है, पर इसकी वैधता तभी तक है जब तक वह कानून की सीमाओं में रहे। जब विधि स्पष्ट रूप से तय करती है कि पाठ्यपुस्तकों का चयन किन संस्थाओं के अधिकार में होगा, तब उस सीमा का उल्लंघन स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अनुशासनहीनता का संकेत है। एनसीईआरटी की पुस्तकें विशेषज्ञों द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयार होती हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता सिद्ध होती है। इसके विपरीत, निजी प्रकाशनों में आकर्षण अधिक, पर सामग्री की प्रमाणिकता पर सवाल बने रहते हैं। ऐसे में अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर व्यावसायिक हितों को बढ़ावा देना शिक्षा की मूल भावना के विरुद्ध है।

एंग्जाइटी से बचने के लिए ध्यान जरुरी

संजय गोस्वामी

आजकल एंग्जाइटी के रोग बढ़ने लगे है एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर से पीडित व्यक्ति हर वक्त डरा रहता है, उसे घबराहट महसूस होती है और उसके हाथ पैर कांपने लगते हैं। उसे नींद न आने की परेशानी होने लगती है और उसे लगातार पसीना भी आता है। धीरे धीरे धीरे ये सभी लक्षण इतने आम हो जाते हैं कि व्यक्ति एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर का शिकार हो जाता हैजब भी डर लगता है तो एंग्जाइटी रोग उत्पन्न होता है। यह या तो किसी गलत कार्य के कारण होता है या फिर कोई बुरी घटना के कारण होता है मैं यह नहीं जानता हूं यह डर क्या एक अविद्या है। क्योंकि डर में आपका विवेक खत्म होने लगता है और दवा से यह और भी खतरनाक हो जायेगा क्योंकि दवाई कुछ देर के लिए राहत तो देती है लेकिन डॉ का चक्कर से बीमारी और भी बढ़ जाती है इसलिए ध्यान जरुरी है इसमें क्या *मैं हूं* यह जान सकता हूं और संसार में कैसे कैसे लोग हैं जो कुछ सकारात्मक विचार रखते हैं लेकिन आधे से अधिक नकारात्मक और बीमारी को गंभीर बना देते है इसलिए पहले डर को खत्म कर अपने मन को नियंत्रण करना सीखे। जो भी जाना, सुना जाता है वह बुद्धि द्वारा होता है और मेरे से अलग होता है।अन्ताकरण-मन जड़-चेतन मिश्रित है। जड़-चेतन की जो ग्रंथि है यह केवल ज्ञान से दूर होती है और जब होगी तो ऐसे होगी जैसे अनन्त काल का अंधेरा एक वत्ती जलाने से दूर हो जाता है। ऋतेज्ञानान्नामुक्ति कहा है। इसके लिए भगवान राम का ध्यान जो शीशे जैसा बिल्कुल साफ और दया के सागर हैं और सत चित आनन्दघन परमात्मा राम की उपासना का बहुत बड़ा महत्व होता है। ऐसे मैंने सुना है व पढ़ा भी है। : भौतिक विज्ञान की दुनिया में एक बेहद रहस्यमयी लेकिन पूरी तरह प्रमाणित सच्चाई है, जिसे प्रेक्षक प्रभाव कहा जाता है। जब हम सूक्ष्म कणों को नहीं देख रहे होते हैं, तो वे एक ऊर्जा की तरंग की तरह व्यवहार करते हैं, जो एक ही समय में कई जगहों पर फैली होती है। लेकिन विज्ञान का सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि जैसे ही हम उन्हें देखने या मापने की कोशिश करते हैं, उनका व्यवहार तुरंत बदल जाता है। ठीक उसी पल में वे तरंग से बदलकर एक निश्चित स्थान पर मौजूद ठोस कण बन जाते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि केवल हमारी देखने या ध्यान केंद्रित करने की क्रिया ही सूक्ष्म स्तर पर वास्तविकता के रूप को तय करती है। यह हमारे ब्रह्मांड के सबसे गहरे और प्रमाणित वैज्ञानिक नियमों में से एक है।आसान भाषा में माया इसी को कहते हैं ' अध्यारोपापवाद (अध्यारोप + अपवाद = पहले अध्यारोप, फिर अपवाद (हटाना)) अद्वैत वेदांत में आत्मतत्व के उपदेश की वैज्ञानिक विधि। ब्रह्म के यथार्थ रूप का उपदेश देना अद्वैत मत के आचार्य का प्रधान लक्ष्य है।

अर्बन हीट आइलैंड का असर: क्यों तप रहे हैं भारत के शहर

सुनील कुमार महला

(भारत:100 में 95 शहर सबसे गर्म)

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है और इसका प्रभाव भारत में बेहद स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी रियल-टाइम वैश्विक तापमान रैंकिंग के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर अकेले भारत के हैं, जबकि टॉप-20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत के ही शामिल हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल माह में ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मध्य भारत से लेकर गंगा के मैदानी क्षेत्रों तक अनेक शहरों में लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है।

कई स्थानों पर तापमान 45त्ड के

करीब दर्ज किया गया है। इस सूची में केवल बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बे भी शामिल हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गर्मी का प्रभाव व्यापक और गहराई तक फैल चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां के कई शहर वैश्विक सूची में प्रमुखता से दर्ज हैं। मौसम संबंधी रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इस समय हाई हीट रिस्क जोन में है, जबकि सामान्यतः अफ्रीका और अरब देशों को दुनिया का सबसे गर्म क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब भारत के शहर उन्हें भी पीछे छोड़ते नजर आ रहे हैं।

वास्तव में आज के समय में भारत के शहर तेजी से अर्बन हीट आइलैंड में बदलते जा रहे हैं, जहां कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर और भोपाल जैसे शहर इस प्रभाव की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। मकानों की सीमेंट की छतें और घनी बस्तियां भी गर्मी को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। एक उपलब्ध आंकड़े के अनुसार, पिछले एक दशक में वार्म नाइट्स यानी गर्म रातों में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में ही फरवरी के अंत तक रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि देश के 266 जिले अत्यंत गंभीर गर्मी की श्रेणी में, 151 जिले गंभीर श्रेणी में और 201 जिले मध्यम श्रेणी में आ चुके हैं, जो स्थिति की भयावहता को दशार्ता है। भारत में ग्लोबल वार्मिंग केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। इसके प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और कंक्रीट का विस्तार, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता औद्योगीकरण और प्रदूषण, परिवहन क्षेत्र का तेजी से विस्तार, विलासितापूर्ण जीवनशैली, कृषि गतिविधियों से उत्सर्जन, कचरा और प्लास्टिक प्रबंधन की समस्या तथा तेजी से बढ़ती जनसंख्या शामिल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को और तेज कर रहे हैं। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण समुद्र स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है।

न्यूक्लियर हथियार लिख देंगे समूची सभ्यता के विनाश की इबारत

मनोज कुमार अग्रवाल

न्यूक्लियर हथियार समूची दुनिया के विनाश की इबारत लिख सकते हैं। विश्व के तमाम कथित प्रगतिशील ताकतवर देशों ने सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जोड़ रखा है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने की क्षमता जुटा ली गयी है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवीं रखा जा रहा है?

वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव (इजरायल-ईरान), और चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरों और कारणों की मुख्य बातें ये हैं।

रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं।

दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ौतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही।

हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं।

सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं।

उप्र में 38 आईएएस अफसरों का तबादला, आठ जिलों के डीएम बदले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में रविवार की रात को एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। शासन ने 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। देवरिया, जौनपुर, प्रतापगढ़ , मुरादाबाद, फिरोजाबाद समेत आठ जिलों के जिलाधिकारी भी बदले गए हैं। वहीं, हाल में इस्तीफा देकर नौकरी में वापस आने वाले आईएएस रिंकू राही को भी तैनाती मिली है।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष सचिव, आवास एवं विकास परिषद के अपर आवास आयुक्त मधुसूदन हुल्गी को देवरिया जिले का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। प्रबंध निदेशक, केस्को, अपर आयुक्त राज्य कर कानपुर प्रथम सैमुअल पाल एन को जौनपुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। गोरखपुर विकास प्रधिकरण के उपाध्यक्ष आनंद वर्धन को जिलाधिकारी मऊ की जिम्मेदारी दी गई है। गौरव सिंह सोगरवाल को नगर आयुक्त गोरखपुर से जिलाधिकारी महाराजगंज, संतोष कुमार शर्मा को जिलाधिकारी महाराजगंज से जिलाधिकारी फिरोजाबाद, राजेंद्र पेंसिया को संभल जिलाधिकारी से मुरादाबाद जिलाधिकारी, आगरा नगर निगम के नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल को जिलाधिकारी संभल और अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद के अभिषेक पांडेय को जिलाधिकारी प्रतापगढ़ नियुक्त किया है।
इनके अलावा जिलाधिकारी प्रतापगढ़ शिवसहाय अवस्थी को मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपी राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मुरादाबाद के जिलाधिकारी अनुज सिंह को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव, गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल को गोरखपुर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष और लखनऊ के मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन को नगर आयुक्त नगर निगम गोरखपुर की जिम्मेदारी दी गई है।
डा. अल्का वर्मा को निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं से विशेष सचिव वित्त तथा रजिस्ट्रार चिट्स एवं सोसायटी यूपी, प्रतीक्षारत निधि बंसल को निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं की जिम्मेदारी मिली है।

जौनपुर के जिलाधिकारी
डा. दिनेश चंद्र को विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग, मऊ के जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा को विशेष सचिव समाज कल्याण तथा सचिव अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, फिरोजाबाद के जिलाधिकारी रमेश रंजन को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद बनाए गए हैं।
देवरिया की जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को विशेष सचिव, राजस्व विभाग, प्रतीक्षारत चंद्र शेखर को विशेष सचिव सिंचाई एवं जल संस्थान विभाग, नेहा जैन को विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रानिक तथा प्रबंध निदेशक यूपी डेस्को से प्रबंध निदेशक केस्को बनाई गई हैं। समीर को विशेष सचिव वित्त तथा रजिस्ट्रार चिट्स एवं सोसायटी से विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रानिक तथा प्रबंध निदेशक यूपी डेस्को, सी इंदुमती को विशेष सचिव चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक राज्य चीनी निगम से निदेशक, महिला कल्याण उत्तर प्रदेश तथा प्रबंध निदेशक महिला कल्याण निगम बनाई गई हैं। वंदना वर्मा को निदेशक महिला कल्याण तथा प्रबंध निदेशक महिला कल्याण निगम से विशेष सचिव चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक राज्य चीनी निगम, गाजीपुर के मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य को नगर आयुक्त नगर निगम आगरा, राजेंद्र सिंह द्वितीय को विशेष सचिव समाज कल्याण विभाग तथा सचिव उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग से सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद प्रयागराज, प्रेम प्रकाश को विशेष सचिव राजस्व विभाग से सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद प्रयागराज बनाए गए हैं। अंकुर कौशिक को मुख्य कार्यपालक अधिकारी उप्र राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण से उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण, अवनीश सक्सेना को सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक बनाया गया है।
हरिकेष चौरसिया को विशेष सचिव आयुष से सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, कानपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल को विशेष सचिव आयुष विभाग, हरदोई की मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा को अपर आयुक्त राज्य कर कानपुर प्रथम, प्रफुल्ल कुमार शर्मा को संयुक्त मजिस्ट्रेट रायबरेली से मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ बनाया गया है।

भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और लोकजीवन की आत्मा है गाय : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

गोरखपुर से 81 दिवसीय गोविष्टि यात्रा का शंखनाद, गोरक्षा को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

गोरखपुर।
रामगढ़ताल के किनारे सहारा स्टेट स्थित भारत माता की प्रतिमा के समक्ष रविवार को ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 81 दिवसीय 'गोविष्टि यात्रा'का विधिवत शुभारंभ किया। शंखनाद,पूजा-अर्चना और सामूहिक संकल्प के बीच शुरू हुई इस यात्रा का उद्देश्य गायों के संरक्षण,गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने तथा गोरक्षा को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देना है।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और लोकजीवन की आत्मा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गोरक्षा के लिए अब केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्तर पर भी सक्रिय होना होगा। इसी संदर्भ में उन्होंने 'एक नोट और एक वोट' का मंत्र देते हुए लोगों से अपील की कि वे अपने मताधिकार का उपयोग ऐसे जनप्रतिनिधियों के समर्थन में करें,जो गोरक्षा के प्रति स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध हों।
उन्होंने स्पष्ट कहा कि गोरक्षा के नाम पर किसी प्रकार की हिंसा स्वीकार्य नहीं है। 'हमें किसी को आग नहीं लगानी,न ही किसी के साथ अन्याय करना है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति वोट है और उसी के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन संभव है'।

गोमाता को राज्य एवं राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग
शंकराचार्य ने गाय को राज्य माता और राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को दोहराते हुए कहा कि इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति आवश्यक है।

हिमाचल सरकार अपने अधिकार में रखे 37 मंदिरों को हिंदू समाज को सौंपे : डॉ राजकमल गुप्ता

डॉ राजकमल गुप्ता बोले, देशभर के सभी बड़े मंदिरों का संचालन भी हिंदू समाज को सौंपा जाए

मुरादाबाद।
हिमाचल प्रदेश प्रवास से रविवार रात्रि लौटे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रबंध समिति के सदस्य व क्षेत्र गौ रक्षा प्रमुख मुरादाबाद निवासी डॉ राजकमल गुप्ता ने बताया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां के अल्पसंख्यक समाज को अपने पूजा स्थानों और सस्थाओं को अपने नियंत्रण में चलाने की छूट है। सरकार गुरूद्वारे, मस्जिद, चर्च, बौद्ध विहार और जैन मंदिरों का संचालन नहीं करती है। किंतु दुर्भाग्य से हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिंदू समाज के सबसे बड़े धर्मस्थलों कुल 37 मंदिरों को अपने अधिकार में रखा हुआ है। अब समय आ गया है कि इन सभी बड़े मंदिरों का संचालन भी हिंदू समाज को सौंपा जाए।
डॉ राजकमल गुप्ता ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश में हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम 1984 के अंतर्गत अधिगृहित मन्दिर का कार्य एक कमिश्नर देखता है तथा सरकार इन मंदिरों के न्यासियों को अपनी सुविधानुसार नामांकित करती है।
जिससे मंदिर सरकार के हस्तक्षेप को झेलते हैं और इनके धार्मिक नेतृत्व को अपने धर्मस्थलों के बारे में निर्णय लेना का कोई अधिकार नहीं है।

प्रेमी- प्रेमिका छत से कूदे, युवक की मौत

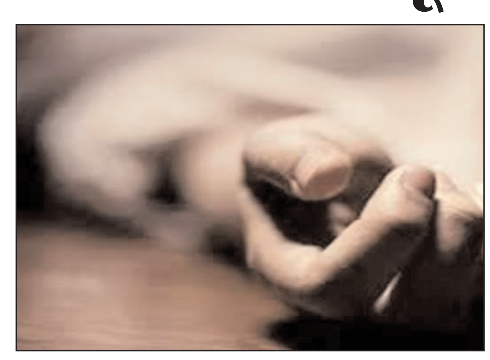

नोएडा।
थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के चौड़ा गांव में प्रेमी युगल ने सोमवार सुबह को अपने घर की चौथी मंजिल से आत्महत्या करने की नीयत से छलांग लगा दिया। इस घटना में युवक की मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।
थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह पांच बजे के करीब पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 22 के हनुमान मंदिर के पास रहने वाले पुनीत उम्र 35 वर्ष तथा कुमारी विद्या दास उम्र 20 वर्ष ने आत्महत्या करने की नीयत से अपने घर की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए पुलिस ने नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टरों ने पुनीत को मृत घोषित कर दिया, जबकि विद्या की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे। युवा चौड़ा गांव में किराए के मकान में रहता था, जबकि युवती नवादा गांव में रहती थी। युवक एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था।
पुलिस को जांच में पता चला है कि युवती युवक से मिलने के लिए रात के समय उसके घर आई थी। दोनों पूरी रात साथ रहे तथा सुबह को यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

पीसी जोशी के निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर

प्रयागराज।
निवर्तमान लोकसभा सांसद, प्रयागराज व पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार प्रो० रीता बहुगुणा जोशी के पति पी० सी० जोशी का आज सोमवार प्रातः 07 बजे, एसजीपीजीआई, लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया।
भाजपा प्रयागराज यमुनापार के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया है कि दिवंगत श्री जोशी का पार्थिव शरीर आज सायं 04 बजे प्रयागराज पहुँचेगा तथा उनकी अंत्येष्टि 05 मई को प्रातः प्रयागराज में सम्पन्न होगी।
उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदय विदारक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ रीता बहुगुणा जोशी के पति पी सी जोशी का निधन

लखनऊ।
पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ रीता बहुगुणा जोशी के पति पी सी जोशी का सोमवार को संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया ' इसकी सूचना डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से दी है' पी सी जोशी का पार्थिव शरीर आज शाम 04 बजे प्रयागराज पहुचेंगा। अंत्येष्टि कल सुबह प्रयागराज में होगी ।विदित हो कि डॉ रीता बहुगुणा जोशी उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नन्दन बहुगुणा की पुत्री हैं ' वह प्रयागराज से सांसद भी रही हैं।

चित्रकूट जा रहे कार सवारों से मारपीट कर बदमाशों ने की लूटपाट

महिलाओं की पिटाई, मंगलसूत्र और गहने लूटकर तोड़ी हाथ की उंगुली

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के किसवाही से चित्रकूट मुंडन कार्यक्रम के लिए जा रहे लोगों पर सुमेरपुर थाना क्षेत्र के मुंडेरा गांव के निकट बदमाशों ने वाहन रोककर महिलाओं के साथ जमकर मारपीट की और नकदी एवं जेवर आदि छीन कर ले गए। सूचना देने पर पहुंची पीआरवी टीम ने आरोपियों को पकड़ने के बजाय पीड़ितों को ही बंद करने की धमकी देने लगे। पीड़ितों का आरोप है कि थाने पहुंचने पर पुलिस ने मदद करने को बजाय उन्हें भगा दिया।
सिसोलर थाना क्षेत्र के किसवाही गांव निवासी रोहित कुमार ने रविवार को बताया कि अपनी बहन सोमवती एवं चाची राजेश्वरी एवं अन्य रिश्तेदारों के साथ मुंडन कार्यक्रम के लिए वैन से चित्रकूट जा रहे थे। तभी मुंडेरा गांव के निकट कुछ लोगों ने उनको रोक कर मारपीट करने लगे। मारपीट करने से चाची राजेश्वरी की उंगली में गंभीर चोट आई है। जबकि रोहित कुमार सिर सहित कई जगह पर चोटें आई है। रोहित का आरोप है कि मारपीट करने के दौरान बदमाश उसकी जेब में पड़े 30 हजार रुपये छीन लिये ।
वहीं बहन सोमवती ने आरोप लगाया कि हमलावर उसके पर्स में पड़े दो हजार रुपये एवं गले में पहने सोने का मंगलसूत्र व हार छीन कर ले गए।

उप्र के अंबेडकर नगर में सड़क हादसा, 8 की मौत

अंबेडकर नगर।
उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर जिले में रविवार देरात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) तेजवीर सिंह ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रात 11.30 बजे अकबरपुर जलालपुर मार्ग पर अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास दो बाइक सवार की आपस में टक्कर हुई। हादसे में बाइक सवार दो व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गए।
उन्होंने बताया कि घायल व्यक्तियों को आसपास से कुछ लोग अस्पताल भेजने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान जलालपुर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार ने अनियंत्रित होकर वहां खड़े लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में 6 अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर तत्काल क्षेत्राधिकारी जलालपुर एवं थाना जलालपुर पुलिस पहुंची और लोगों के सहयोग से घायलों को सीएचसी जलालपुर नगपुर ले जाया गया, जहां छह व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया। दो गम्भीर रूप से घायल व्यक्तियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां से उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान उन दो व्यक्तियों की भी मृत्यु हो गई।

उत्तर प्रदेश के जालौन में सड़क हादसा, छह की मौत

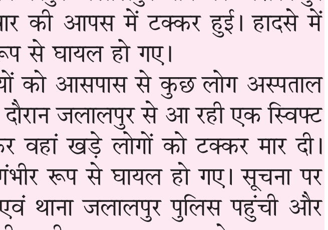

उरई।
उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में आज सुबह सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा झांसी-कानपुर नेशनल हाइवे पर कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, एक टवेरा कार सवार परिवार अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन कर ललितपुर लौट रहा था। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पलट गई और उस पर सवार सभी लोग फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचा और कार के दरवाजे को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला गया।
सभी को नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। बाकी चार घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद हाइवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस मृतकों और घायलों की पहचान में जुटी है।

पुलिस मुठभेड़ : साथी लुटेरा गिरफ्तार पैर में लगी गोली

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो में पुलिस ने बीती रात को एक मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी । पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया । इसके पास से पुलिस ने लूटी हुई सोने की चेन, देशी तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद की है। उक्त बदमाश के ऊपर पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज है।
अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ रविवार की देर रात को गस्त पर थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि कुछ बदमाश लूटपाट करने की नीयत से मोटरसाइकिल पर सवार होकर थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू की। गामा- दो सेक्टर के गेट नंबर- 3 के पास दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश रुकने की बजाए पुलिस पार्टी पर जान से मारने की गोली नियत से गोली चलाते हुए मौके से भागे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली सोनू श्रीवास्तव पुत्र तुलसी के पैर में लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
बदमाश का एक साथी मोनू श्रीवास्तव मौके से भाग गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। उक्त बदमाश के पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा, घटना में प्रयुक्त होने वाली चोरी की मोटरसाइकिल, लूटी गई सोने की चेन आदि बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान घायल बदमाश के खिलाफ पूर्व में लूटपाट, हत्या के प्रयास, चोरी सहित विभिन्न धाराओं में पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज हैं।

मंडी जा रहे व्यापारी को बाइक ने मारी टक्कर, तीन दिन बाद मौत

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदिहार गांव में सड़क हादसे में घायल सब्जी व्यापारी की तीन दिन बाद सोमवार सुबह इलाज के दौरान वाराणसी ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। घटना से परिजन में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
नदिहार गांव निवासी 50 वर्षीय सर्वजीत धनासिरिया सब्जी मंडी में आलू का कारोबार करते थे। बीते 30 अप्रैल की सुबह वह रोज की तरह दुकान खोलने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।
घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

हत्या के 24 घंटे बाद रामघाट पर हुआ आजाद का अंतिम संस्कार, प्रशासन के आश्वासन पर माने परिजन

जौनपुर।
जिले के बड़उर गांव में युवक की हत्या के बाद करीब 24 घंटे तक चले विरोध के बाद रविवार को मृतक आजाद का अंतिम संस्कार रामघाट पर किया गया। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था।थाना अंतर्गत बड़उर गांव निवासी रामलखन के पुत्र आजाद की शुक्रवार को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। शनिवार शाम लगभग 6 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया, लेकिन परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे। उन्होंने घर के सामने शव रखकर करीब 21 घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया और अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। रविवार सुबह तक स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। परिजनों का कहना था कि जब तक मुख्य आरोपित की गिरफ्तारी और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।
उन्होंने आरोपियों के एनकाउंटर की भी मांग की।
मामले की गंभीरता को देखते हुए खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव मौके पर पहुंचे और परिजनों से करीब एक घंटे तक वार्ता की। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद सिंह, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, शाहगंज विधायक रमेश सिंह तथा पूर्व सांसद धनंजय सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया।प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ लंबी वार्ता के बाद अंततः रविवार शाम करीब 04 बजे परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। इसके बाद रामघाट पर मृतक के पिता ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार संपन्न कराया।घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा, हालांकि प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से स्थिति नियंत्रण में रही।

बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मा में 289 करोड़ में बेची एक फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश कंपनी बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मास्युटिकल्स में लगभग एक प्रतिशत हिस्सेदारी 289 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी है। यह जानकारी एनएसई के ब्लॉक डील आंकड़ों से मिली। अमेरिका स्थित बेन कैपिटल ने अपनी संबद्ध इकाई बीसी इन्वेस्टमेंट्स आईवी लिमिटेड के माध्यम से पुणे स्थित एमक्योर के 18 लाख शेयर बेचे। ये शेयर औसतन 1,608.20 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए जिससे कुल सौदे का मूल्य 289.47 करोड़ रुपये रहा। इस लेनदेन के बाद स बीच, नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल ने समान संख्या में शेयर उसी कीमत पर खरीदे। यह दुनिया का सबसे बड़ा संप्रभु संपत्ति कोष (सॉवरेन वेल्थ फंड) है।

भारत का आईफोन निर्यात 2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

पीएलआई योजना के अंतिम वर्ष में ऐतिहासिक उपलब्धि, डीजल वाहनों और हीरों को भी पछाड़ा

नई दिल्ली ।

भारत में स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारत से आईफोन का निर्यात रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतिम वर्ष में सामने आया है, जो मेक इन इंडिया पहल की शानदार सफलता को दर्शाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल-फरवरी) के 11 महीनों के निर्यात आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल स्मार्टफोन निर्यात लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें अकेले आईफोन का योगदान 75 फीसदी से अधिक (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) रहा। यह उपलब्धि देश के पारंपरिक प्रमुख निर्यात श्रेणियों को भी पीछे छोड़ गई है। इसी अवधि में, डीजल वाहन 14.53 अरब डॉलर (लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये) के निर्यात के साथ दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जबकि हीरा 11.23 अरब डॉलर (लगभग 93 हज़ार करोड़ रुपये) और दवाएं 9.98 अरब डॉलर (लगभग 83 हज़ार करोड़ रुपये) के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। यह आंकड़ा ऐपल को भारत की विनिर्माण महत्त्वाकांक्षा का एक प्रमुख उदाहरण और सरकारी पहल की उत्कृष्ट सफलता की कहानी बनाता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की शुरुआत के बाद से भारत से ऐपल के आईफोन का निर्यात लगभग शून्य से बढ़कर मात्र पांच वर्षों के भीतर 2 लाख करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 9,351.6 करोड़ रुपये से बढ़कर यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022-23 में 44,269.5 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 में 85,013.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पीएलआई योजना की गति बढ़ने के साथ ही, ऐपल के विनिर्माण भागीदार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों ने आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों को प्रशिक्षित करते हुए उत्पादन और निर्यात में तेजी लाई। ऐपल की आपूर्ति श्रृंखला में 40 से अधिक घरेलू कंपनियों के साथ-साथ जापान की टीडीके कॉर्पोरेशन और कई ताइवानी संयुक्त उद्यम भी शामिल हैं, जिसमें चीनी कंपनियों को लगातार बाहर रखा गया है। यह भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.03 पर पहुंचा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसारन ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 122 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत का आयात खर्च बढ़ने की आशंका है। वहीं पश्चिम एशिया में संभावित व्यापक संघर्ष की चिंताओं ने निवेशकों की बेचैनी बढ़ा दी है जिससे डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर और दबाव पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में फिसलकर 95.20 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर

के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 98.96 पर रहा।

प्राकृतिक आपदा में कर्जदारों को राहत, आरबीआई के नए नियम लागू

नई दिल्ली।

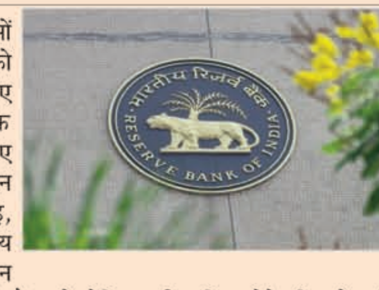

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित कर्जदारों को राहत देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत बाढ़, भूकंप या अन्य आपदाओं से नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को बैंक मोरटोरियम की सुविधा देंगे, जिससे उन्हें कुछ समय तक किस्त चुकाने से राहत मिलेगी। इसके अलावा जरूरतमंदों को अतिरिक्त कर्ज भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपने व्यवसाय या आजीविका को फिर से शुरू कर सकें। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित क्षेत्रों में लचीला रवैया अपनाएं और ग्राहकों को शीघ्र सहायता प्रदान करें।

1 मई को शेयर बाजार बंद रहेंगे बीएसई-एनएसई में नहीं होगा कारोबार

महाराष्ट्र दिवस पर नहीं होगी शेयरों की खरीद-बिक्री

मुंबई ।

1 मई शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर देश के प्रमुख शेयर बाजार एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) बंद रहेंगे। निवेशकों को अब 30 अप्रैल के बाद सीधे 4 मई को ही ट्रेडिंग का मौका मिलेगा। दोनों प्रमुख एक्सचेंजों का मुख्यालय मुंबई में होने के कारण हर साल 1 मई को महाराष्ट्र राज्य के गठन की याद में मनाए जाने वाले महाराष्ट्र दिवस पर बाजार में अवकाश रहता है। यह परंपरा 1960 में राज्य के गठन के बाद से चली आ रही है। मौजूदा वर्ष में कुल 16 ट्रेडिंग हॉलिडे निर्धारित हैं, जिनमें से 7 पहले ही बीत चुके हैं। 1 मई की छुट्टी के बाद, बाजार में 8 और दिनों का अवकाश रहेगा। इनमें शामिल हैं- 28 मई बकरीद, 26 जून मुहर्रम, 14 सितंबर गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर गांधी जयंती, 20 अक्टूबर दशहरा, 10 नवंबर दिवाली, 24 नवंबर गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर क्रिसमस। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज 1 मई को सुबह के सत्र के लिए बंद रहेगा, लेकिन शाम 5 बजे से रात तक इसमें कारोबार जारी रहेगा।

इक्रा की चेतावनी- तेल, उर्वरक, गैस क्षेत्रों पर 80,000 करोड़ के घाटे का संकट

भू-राजनीतिक तनाव और लागत वृद्धि से वित्त वर्ष 27 में लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत के प्रमुख डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी के अनुसार यदि वर्तमान घाटे का स्तर बना रहा, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अकेले एलपीजी बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है। इक्रा ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने अंतरराष्ट्रीय एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में तेज वृद्धि की है। इन दबावों के चलते, ओएमसी को 120-125 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल पर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का भी नुकसान होने का अनुमान है, जिससे उनकी लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित होगी। उर्वरक क्षेत्र को भी सल्फर और अमोनिया की बढ़ती कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में सब्सिडी की आवश्यकता 2.05 ट्रिलियन रुपये से 2.25 ट्रिलियन रुपये तक जा सकती है, जो मौजूदा बजटीय आवंटन से कहीं अधिक है।

इक्रा का मानना है कि सरकार को इस क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी। सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र में भी मुद्रा में गिरावट और गैस की ऊंची कीमतों से सीएनजी सेगमेंट के मार्जिन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि लागत पूरी तरह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाई जा सकेगी।

इन सभी कारकों से डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लाभप्रदता प्रभावित होगी।

एआई को बढ़ावा देने हजारों कर्मियों की छंटनी करेगी कॉग्निजेंट

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कॉग्निजेंट ने एक बड़े पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी की आशंका है। कंपनी इस पर 20 से 32 करोड़ डॉलर खर्च करेगी। यह कदम अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने तथा कौशल की बदलती मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कॉग्निजेंट ने अपने प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम के तहत यह ऐलान किया है। इसके तहत अप्रैल से दिसंबर के बीच कंपनी कर्मचारियों को बर्खास्त करने पर 20 से 27 करोड़ डॉलर का मुआवजा और 3 से 5 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कार्मिक व्यय वहन करेगी। यह परियोजना बुधवार को पहली तिमाही के नतीजों के साथ घोषित की गई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं में अधिक निवेश करना, कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाना और उन्हें बाजार की मांगों के अनुरूप ढालना है। इससे कंपनी के परिचालन मॉडल में सुधार होगा और उत्पादकता बढ़ेगी। कंपनी को

उम्मीद है कि इस साल उसे 20 से 30 करोड़ डॉलर की बचत होगी, जिससे मार्जिन में 20 से 40 आधार अंकों की वृद्धि होगी।

वारी एनर्जीज का चौथी तिमाही में मुनाफा 75 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। चौथी तिमाही में इसका एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 75 प्रतिशत बढ़कर 1,126 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष में शुद्ध लाभ 3,884.15 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के दौरान कुल आय दोगुनी से अधिक होकर 8,659.98 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बोर्ड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर पर 2 रुपये (20 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। इसके अतिरिक्त कंपनी 10,000 करोड़ रुपये तक की राशि पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अन्य माध्यमों से जुटाने की योजना बना रही है।

1 मई से सिगरेट 17 फीसदी तक हुई महंगी!

मुंबई ।

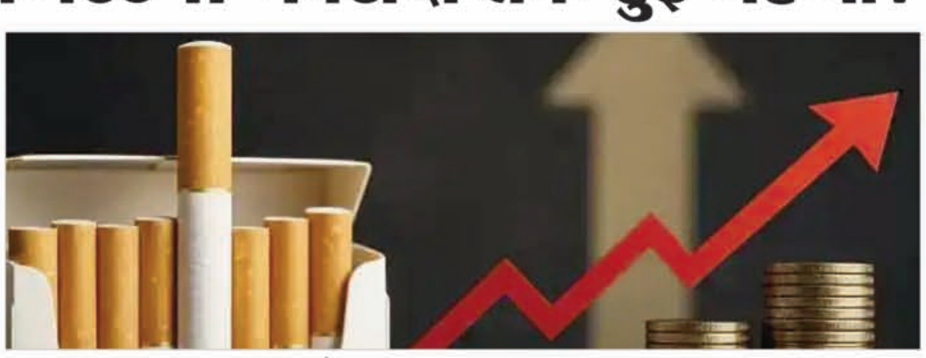

धूम्रपान करने वालों को सिगरेट की तलब अब उनके जेब पर और भारी पड़ने वाली है। प्रमुख तंबाकू कंपनियां आईटीसी और गाडफ्रे फिलिप्स 1 मई से सिगरेट के दाम में 17 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। यह इस साल फरवरी में सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क बढ़ाने के बाद दूसरी बड़ी कीमत वृद्धि होगी। दरअसल, 1 फरवरी को सरकार ने सिगरेट पर उत्पाद शुल्क में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। शुरुआत में कंपनियों ने इस बढ़े हुए टैक्स का कुछ हिस्सा खुद वहन किया। लेकिन बिक्री में गिरावट और मुनाफे पर दबाव के चलते अब उन्होंने यह बोझ पूरी तरह ग्राहकों पर डालने का फैसला किया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर मशहूर ब्रांड्स पर दिखेगा। गोल्ड फ्लैक प्रीमियम का एक पैक जो अभी लगभग 115 में मिलता है, वह बढ़कर करीब 135 रुपए तक पहुंच जाएगा।

इसी तरह, किंग साइज सिगरेट की प्रति स्टिक कीमत 20 से बढ़कर 25 से 28 रुपए के बीच हो सकती है। कीमतों में वृद्धि का असर बाजार में पहले ही दिख रहा है; अप्रैल में सिगरेट की बिक्री में करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, खासकर महंगे किंग साइज सेगमेंट में, क्योंकि लोग अब सस्ते विकल्प तलाश रहे हैं।

जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हुई डब्ल्यूजीसी

ऊंची कीमतों के बीच निवेश मांग में 54 फीसदी की वृद्धि, आभूषण खरीदारी 19 फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की कुल मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हो गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से निवेश मांग में मजबूत उछाल के कारण हुई है, जिसने आभूषणों की घटती खरीद की काफी हद तक भरपाई कर दी है।

रिपोर्ट दर्शाती है कि भारतीय स्वर्ण बाजार में अब आभूषणों के बजाय निवेश की ओर झुकाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक तिमाही के दौरान सोने की छड़ों, सिक्कों और गोल्ड ईटीएफ के जरिए निवेश मांग में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़कर 82 टन हो गई। इसकी मुख्य वजह सोने की रिकॉर्ड ऊंची कीमतें रहीं, जिसने उपभोक्ताओं को निवेश के रूप में सोने की ओर आकर्षित किया।

हालांकि, ऊंची कीमतों का असर आभूषण मांग पर नकारात्मक रहा, जिसमें सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 66 टन रह गई।

कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ता वर्ग पर विशेष रूप से इस गिरावट का प्रभाव देखा गया। डब्ल्यूजीसी ने पूरे वर्ष के लिए सोने की मांग 650-750 टन के बीच रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले साल यह 712 टन थी।

मूल्य के लिहाज से इस तिमाही में सोने की मांग लगभग दोगुनी होकर 99,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 99 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

डब्ल्यूजीसी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि भारत का सोना बाजार मात्रा के रुझान और मूल्य वृद्धि के बीच अंतर को दर्शाता है, जो रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रभावित है। घरेलू सोने की कीमत इस तिमाही में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर औसतन 1,51,108 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 83,375 रुपये थी।

सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग 34 प्रतिशत बढ़कर 62 टन हो गई, जो 2013 के बाद पहली तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है। यह पारंपरिक रूप से आभूषण-प्रधान बाजार से एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

एचयूएल का मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि में 2,475 करोड़ रुपये रहा था। एचयूएल ने आय का विवरण देते हुए बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2025-26 में 8.13 प्रतिशत बढ़कर 16,172 करोड़ रुपये रहा।

कुल खर्च 7.2 प्रतिशत बढ़कर 16,615 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अन्य आय सहित कुल आय 5.01 प्रतिशत बढ़कर 16,580 करोड़ रुपये रही। यह 12 तिमाहियों में उसकी सबसे तेज वृद्धि है।समूचे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मुनाफा 15,059 करोड़ रुपये रहा जिसमें 'न्यूट्रिशनलैब' के विनिवेश से सहायता मिली।

इस दौरान कुल आय 4.6 प्रतिशत बढ़कर 65,219 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में अनुकूल व्यापक आर्थिक नीतियों के कारण मांग का माहौल बेहतर रहा।

कंपनी ने वृद्धि को तेज करने के लिए खंड को मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, मांग सृजन क्षमताओं को सुदृढ़ करने और संगठन को सरल बनाने जैसे कदम उठाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण जिंसों और मुद्रा में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

रोब्लॉक्स ने भारत विस्तार के लिए सुनील राव को एमडी नियुक्त किया

साझेदारियों और क्रिएटर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे

नई दिल्ली।

अग्रणी गेमिंग प्लेटफॉर्म रोब्लॉक्स ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से सुनील राव को अपनी भारतीय इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है।

कंपनी ने गुरुवार को इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की, जिसके तहत राव मई से कार्यभार संभालेंगे। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि और बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में भारत में कंपनी की रणनीति का दैनिक क्रियान्वयन, स्थानीय उपस्थिति को मजबूत करना, साझेदारियों को बढ़ावा देना और 'क्रिएटर इकोसिस्टम' को समर्थन देना शामिल होगा।

रोब्लॉक्स के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष झेन फांग ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण बाजार बताया और राव की विभिन्न बाजारों में काम करने की विशेषज्ञता को कंपनी की अगली विकास यात्रा के लिए उपयुक्त करार दिया।

इस नियुक्ति से पहले राव अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) में नेतृत्व दल का हिस्सा थे, जहां उन्होंने एशिया-प्रशांत और जापान क्षेत्र में रणनीति और कॉरपोरेट बिजनेस डेवलपमेंट कार्यों का नेतृत्व किया। अपनी नई भूमिका पर राव ने देशभर के डेवलपर और क्रिएटर को सशक्त बनाने वाले एक जीवंत और समावेशी परिवेश बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने बच्चों की सुरक्षा और

भारत के नियामकीय ढांचे के अनुरूप काम करने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया, ताकि एक भरोसेमंद मंच के माध्यम से जिम्मेदारी से आगे बढ़ा जा सके।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिका में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंड एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससस्से साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

सेहत के प्रति सजग है आज की नारी

आप आज के दौर की नारी हैं? अगर घर, कैंरियर और बच्चों के साथ-साथ आप अपनी सेहत का भी अच्छा प्रबंधन करती हैं तो यकीनन आप 'वूमैन आफ सब्सटांस' यानी इस दौर की हिम्मत वाली आधुनिक नारी हैं।

अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए जो चीजें आपका समय खा लेती हैं उनको एक दिन भूल जायें और सिर्फ अपने बारे में सोचें। आप कितनी बार अनियमित मासिक चक्र या बर्ताव में परिर्वतन (हार्मोन्स पर इल्जाम लगाना आसान है) या वक्ष में भारपन को नजरअंदाज कर देती हैं? इन संकेतों को नजरअंदाज करने का अर्थ यह भी है कि आप बीमारियों के ऐसे पुलिंदे को नजरअंदाज कर रही हैं जो शायद आपके जीवन की धारा को ही बदल दे। इसलिए अपनी देखभाल कीजिए... क्योंकि आप की जरूरत है आपके परिवार को और स्वयं आपको।

क्या करें?

हर दो साल में कम से कम एक बार आपको पूरा चेकअप करा लेना चाहिए कि कहीं कोई परेशान तो नहीं है। पैप स्मेयर बहुत आवश्यक है सर्विक्स कैन्सर के किसी भी संकेत को जानने के लिए। इससे यह भी मालूल हो जाता है कि सर्विक्स में कही कुछ और बदलाव ते नहीं आ रहा। पहला पैप स्मेयर 18 वर्ष की आयु में या जब आप सेक्स की शुरूआत कर दें तब कराना चाहिए। साल में एक बार उस समय तक पैप स्मेयर कराती रहें जब तक कि तीन का नतीजा सामान्य न आ जाये। इसके बाद हर तीन साल में एक बार पैप स्मेयर करायें।

किन बातों पर ध्यान दें

आपका मासिक चक्र आपको स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आपको मासिक चक्र तीन और छह दिन के बीच रहता है तो यह सामान्य है। अगर वह सात दिन से ज्यादा रहता है तो आपको समस्या है। यह सुनिश्चित कर लें कि चक्र न ज्यादा लंबा हो और न ज्यादा छोटा। अनियमित चक्र का अर्थ है ओवरी-संबंधित परेशानी या हार्मोन्स में गड़बड़ी।

असामान्य वैजाइनल डिस्चार्ज जिसमें बदबू आती हो और खुजली भी मचती हो, उस पर विशेष ध्यान रखें। अगर सेक्सुअल गतिविधि के बाद रक्तस्राव होता है तो यह वैजाइनल इन्फेक्शन का संकेत है। उसकी जांच करायें। शरीर के निचले हिस्से में असामान्य भारीपन, पेशाब करते समय जलन, बार-बार पेशाब आना-साभी लक्षण हैं यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन के। डाक्टर से संपर्क करें।

ब्रेस्ट कैंसर का अगर समय रहते पता न चले तो घातक हो सकता है। इसलिए 35 वर्ष की आयु के बाद स्वयं अपने वक्षों को माह में एक बार चैक कर लें।

जानें यह भी...

पहली प्रेग्नेंसी अपने साथ कई किस्म की आशंकाएं भी ले आती है। इनमें बहुत आम है पेट में बच्चे की हलचल। हालांकि बच्चा 9 वें सप्ताह में ही हिलना शुरू कर देता है, लेकिन 18 वें सप्ताह से पहले आप उसकी हरकत महसूस नहीं करेंगी।

शुरूआत में हलचल रूक-रूक कर होती है, लेकिन

हेल्थ प्लस

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है वह पैरों को तेजी से हिलाने लगता है। अगर लम्बे समय तक बच्चा न हिले तो घबराने की बात नहीं है। वह कई घंटे तक स्थिर रह सकता है। 24 वें सप्ताह के आसपास बच्चा 20-22 घंटे के लिए भी स्थिर रह सकता है।

अगर आप यह सोचती हैं कि बच्चे रात में ज्यादा और दिन में कम हिलते हैं तो आप गलतफहमी में हैं। यह भ्रम इसलिए पैदा होता है क्योंकि दिन में अपनी व्यस्तता के कारण आप हल्के मूवमेंट को महसूस नहीं कर पाती। ज्यादातर पेरेंट्स यह मानते हैं कि अगर बच्चा गर्भ में अधिक हिले-डुलेगा तो वह बहुत सक्रिय होगा। यह भी गलतफहमी है। साथ ही हिलने की तीव्रता से बच्चे के लिंग का अंदाजा भी संभव नहीं है।

गलतफहमी में न रहें

कुछ रोग पुरूषों से जुड़े होते हैं, लेकिन महिलाओं को भी वह हो सकते हैं। अमूमन महिलाएं समझती हैं कि दिल की बीमारियां सिर्फ पुरूषों को होती हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। महिलाओं को भी बराबर का खतरा है। जीवनशैली महिलाओं की भी बदल रही है, इसलिए उन्हें भी हृदय रोगों का खतरा है।

शोधों से ज्ञात हुआ है कि 18-40 वर्ष की आयु वाली महिलाओं में पिछले चार वर्ष के दौरान हृदय रोगों में नौ गुना इजाफा हुआ है। यह आंकड़ा भारत के मैट्रो नगरों का है।

इसलिए सावधान रहें। हर्निया उस स्थिति को कहते हैं जब कोई टिश्यू, स्ट्रक्चर या ऑर्गन उस मस्कुलर टिश्यू या मेमब्रेन से हट जाये जो उसे संभालता है। हालांति यह रोग अमूमन मर्दो को ही प्रभावित करता है, लेकिन महिलाएं और बच्चे भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में अक्सर फिमोरल हर्निया होता है।

दिमाग को रखिए दुरुस्त

पालक खाएँ स्मृति को सलामत रखें हर शख्स चाहता है कि उसका दिमाग आखिरी वक्त तक चुस्त-दुरुस्त और युवा बना रहे। याददाश्त हमेशा उम्दा रहे, पर हकीकत में सबके साथ ऐसा नहीं होता, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया क्रमशः क्षीण होने लगती हैं।

एक शोध हुआ। इससे पता चला है कि हरी पत्तेदार सब्जियाँ-खासकर मेथी, पालक, सरसों, चौलाई व शलजम को आहार में खास स्थान देने से व्यक्ति का दिमाग वृद्धावस्था में भी चुस्त-दुरुस्त व युवाओं की तरह सक्रिय बना रह सकता है। शोधकर्ताओं ने परीक्षण के तहत कुछ चूहों को इंजेक्शन के जरिए पालक का रस दिया और शेष चूहों को नहीं। अध्ययन से पता चला कि जिन चूहों को पालक का इंजेक्शन दिया गया, वे किसी प्रक्रियात्मक व्यवहार को तेजी से सीखने में सफल रहे। इसके विपरीत जिन चूहों को इंजेक्शन नहीं दिया गया, वे ऐसा नहीं कर सके। शोधकर्ताओं की राय में हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन (खासकर विटामिन सी व ई) और खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही इनमें कई 'एंटीऑक्सीडेंट' भी उपलब्ध रहते हैं, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं के क्षीण होने की प्रक्रिया को कम करते हैं।

फॉर्म में रहना है तो अच्छी नींद लें

सेंट लुइस की वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसन की हालिया रिसर्च से यह बात सामने आई है कि नींद बीते दिन की व्यर्थ चीजों से निजात पाने का जरिया ज्यादा हैं और सपने देखने का जरिया कम। नींद पर हुई रिसर्च में यह बात साबित हुई है कि किसी व्यस्त दिन में दिमाग में जमा चीजों की रात के समय में कांट-छांट हो जाती है, जिससे दिमाग को बेकार जानकारियों से मुक्ति मिलती है। इस रिसर्च से उस बात को भी समर्थन मिलता है कि व्यर्थ की चीजों से मुक्ति पाने के लिए रात को एक अच्छी नींद जरूरी है। इस रिसर्च को लीड कर रहे पॉल शॉ ने भी कहा इन दिनों काफी लोग अपनी नौकरी और अर्थव्यवस्था को लेकर परेशान हैं और कुछ लोग बेशक इसके कारण अपनी नींद खो रहे हैं। यह रिसर्च कहती हैं कि ऐसे समय में आप सबसे अच्छी चीज जो कर सकते हैं वो है रात को एक अच्छी नींद लेना। ताकि आप अगले दिन का काम 'फॉर्म' में रहकर करें।

रोगमुक्त रखता है आयुर्वेद

आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति ही नहीं, अपितु स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन जीने की कला का विज्ञान है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा रूग्ण को रोग मुक्त करना है। यह प्राकृतिक सहज जीवन, आहार निद्रा एवं ब्रहचर्या पर आधारित है। आयुर्वेद के अनुसार वही व्यक्ति स्वस्थ है जिसका शरीर, आत्म, इन्द्रिया एवं मन प्रसन्न है।

यदि जड़ी-बूटी विज्ञान पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि साधारण से लेकर जटिल समस्याओं का समाधान इन्हीं जड़ी-बूटियों में छिपा हुआ है।

- गर्भ की उत्पत्ति से पहले ही स्त्री एवं पुरूष को काम शक्ति बढ़ाने एवं स्वस्थ संतान की प्राप्ति हेतु आयुर्वेद में वर्णित अनेक औषधियां सदियों से सेवन की जाती रही हैं। यथा बरगद का दूध, कमरकस, काजू छुहारा, किशमिश आदि।
- नवजात शिशु को रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करने स्वर्ण शलाका से औषधि मिश्रित शहद चटाना।
- आंवला, तुलसी, गिलोय, नीम का प्रयोग रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने एवं दीर्घायु प्राप्ति के लिए किया जाता है।
- सोंठ का विश्व भैषज के रूप में अग्निदीपन एवं पाचन हेतु प्रयोग जगजाहिर है।
- माताओं द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को जायफल, काला नमक, जुलाफा हरड़ एवं सुहागे का सेवन करा उनकी रोगों से रक्षा करने का प्रचलन है।
- छः माह से एक वर्ष तक बालक को केवल माता का दूध पिलाने की परम्परा।
- विभिन्न वनस्पतियों से बनी जन्म घुट्टी का छोटे बच्चों के स्वास्थ्य हेतु देने का प्रचलन सारी ओर इंगित करता है।
- प्रसूता के गर्भाशय की शुद्धि हेतु दशमूलारिष्ट का प्रयोग एवं स्तन्य (दूध) की शुद्धि व वर्धन हेतु जीरे एवं शतावरी का प्रयोग होना आज भी आयुर्वेद की लोकप्रियता का परिचायक है।
- रसोई घर में प्रयुक्त मिर्च मसाले भी उसी का एक जीता-जागता उदाहरण है। आम जनता इनके गुण एवं प्रभाव से इतवी ज्यादा प्रभावित थी कि रसोई में मसाले की चिकित्सा पेटिका हुआ करती थी। जैसा कि देखने में भी आया है कि जरा सा पेट दर्द हो तो हींग, अजवायन एवं काले नमक का प्रयोग, श्वास में हल्दी, सोंठ, पीपल, काली-मिर्च का प्रयोग, विसर्प में हल्दी एवं खटाई का लेप, दांत दर्द में लोंग का चबाना या लौंग के तेल का फोहा लगाना तथा दातुना के रूप में दंदासे का प्रयोग।
- भोजन को पचाने हेतु सौंफा एवं मिश्री का प्रयोग। आज भी संभ्रांत परिवार अपने अतिथि-सत्कार के समय इसे अपनाते हैं।
- हृदय रोगों में अर्जुन, हृत्पत्री एवं गावजवान का प्रयोग।
- श्वास कास में सोमलता, मुलहैठी, वासा एवं कण्टकारी का प्रयोग।
- ज्वर में गिलोय, तुलसी, नीम एवं द्रोणपुष्पी आदि का प्रयोग। पिवासा ज्वर में षड़गपानीय का जन सामान्य में प्रचलन परम्परागत है।
- पीलिया दूर करने हेतु बन्दाल का नस्य प्रयोग तथा चिरायता, काममेघ, भूईआंवला, मकोय, कटुकी एवं त्रसार का आमयिक प्रयोग।
- रक्तशोधन हेतु चिरायता, कुटकी, मजीठ आदि का प्रयोग।
- मूत्राश्मरी में गोक्षुर, कुलत्थ एवं वरूण कवाथ का प्रयोग।
- मूत्रवाहिकारों में जहां गुर्दे भी क्षतिग्रस्त होने लगे हों तथा रोगी डायलिसिस पर हो पंचतुणमूल क्वाथ का प्रयोग लाभ दर्शाता है।

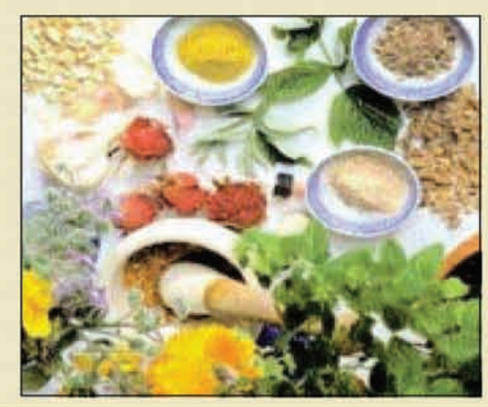

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3878

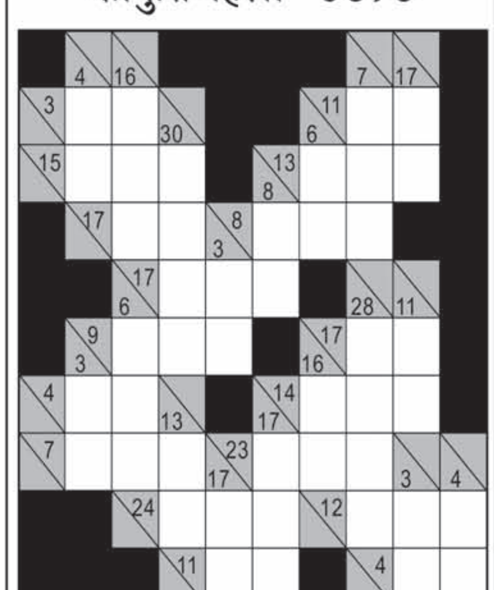

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3877 का हल

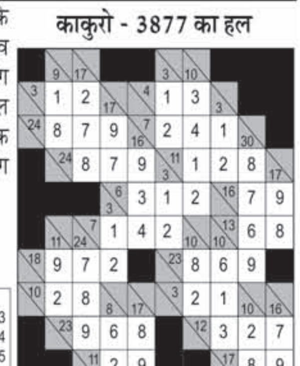

लॉफिंग जौन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3878

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3877

सूडोकु -3878

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3877 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3878

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 3877 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी